श्रावण कृष्ण - 30 ▪ संवत 2080 ▪ वर्ष - 10 ▪ अंक - 349 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 17-07-2023 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 सबकी समस्या का निस्तारण सरकार की प्राथमिकता : योगी

6 महिलाएँ : समाज की वास्तविक वास्तुकार

7 'मैं अटल हूं' की यात्रा को हमेशा याद रखूंगा : पंकज

फर्स्ट टेक

मौसम की वजह से रुकी अमरनाथ यात्रा बहाल

श्रीनगर/वार्ता। जम्मू कश्मीर में रविवार को खराब मौसम के कारण पहलगाम और बालटाल मार्गों से अस्थायी रूप से निलंबित रहने के बाद अमरनाथ यात्रा फिर से बहाल कर दी गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इस बीच, शनिवार शाम तक 21401 तीर्थयात्रियों के पवित्र गुफा के दर्शन करने के साथ, एक जुलाई से शुरू हुई तीर्थयात्रा के बाद से गुफा मंदिर में दर्शन करने वाले यात्रियों की कुल संख्या दो लाख से अधिक हो गई है। उन्होंने कहा कि खराब मौसम के कारण दक्षिण कश्मीर के पारंपरिक नुनवान पहलगाम आधार शिविर और मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले के बालटाल से यात्रा को रविवार तड़के एहतियात के तौर पर अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया था।

भारत ने नेपाल में अस्पतालों और स्कूलों को 84 वाहन भेंट किए

काठमांडू/भाषा। भारत ने नेपाल में स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रहे विभिन्न संगठनों को रविवार को 84 वाहन भेंट किए। नेपाल में स्थित भारतीय दूतावास ने यह जानकारी दी। भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री अशोक कुमार राय की उपस्थिति में 34 एंबुलेंस और 50 स्कूल बसों की चाबियां प्रतिनिधि संगठनों को सौंपीं। राजदूत श्रीवास्तव ने कहा, स्वास्थ्य व शिक्षा क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के नेपाल सरकार के प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए नेपाल-भारत विकास साझेदारी कार्यक्रम के तहत वाहन भेंट करना भारत सरकार की लंबे समय से चली आ रही परंपराओं में शुमार है।

16-07-2023 सूर्यास्त 6:39 बजे	17-07-2023 सूर्योदय 5:50 बजे
BSE 66,060.90 (+502.01)	NSE 19,564.50 (+150.75)
सोना 6,178 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 81,300 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

घातक क्षेत्रवाद

कुछ खुदगर्जों के भय से,
ना करें पलायन रखें याद।
सारा भारत है घर अपना,
है निंदनीय ऐसा विवाद।
सड़ जाएगा सम्पूर्ण राष्ट्र,
यदि फैला यह गंदा मवाद।
सख्ती से निपटो तत्वों से।
घातक होता है क्षेत्रवाद।।

'विकास की प्रबल इच्छा के साथ भारत है विश्व का उज्ज्वल स्थल'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को सोशल मीडिया पर कैपिटल ग्रुप की एक हालिया रिपोर्ट साझा करते हुए कहा कि भारत और अधिक विकास की प्रबल इच्छा के साथ एक वैश्विक चमकता सितारा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि देश धर्मनिरपेक्ष विकास की अवधि के लिए तैयार है, जो प्रत्यक्ष और अचल संपत्ति में महत्वपूर्ण विस्तार से प्रेरित है।

मोदी ने ट्वीटर पर रिपोर्ट साझा करते हुए कहा, युवाओं और उद्यमियों को ये नौ बिंदु दिलचस्प लगेंगे। उन्होंने कहा, और हां, भारत और अधिक वृद्धि की प्रबल इच्छा के साथ एक वैश्विक चमकता सितारा है।

कैपिटल ग्रुप ने अपनी हालिया रिपोर्ट में कहा है कि भारत इस दशक में उभरते बाजारों में आगे बढ़ने के लिए तैयार है।

देश में पिछले 10 वर्षों में राजनीतिक स्थिरता रही है, जिससे आर्थिक विकास सर्वोच्च प्राथमिकता है।

कैपिटल ग्रुप ने कहा, अगले साल होने वाले आम चुनावों से पहले राजनीतिक अस्थिरता और बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ सकता है, लेकिन हमारा मानना है कि भारत धर्मनिरपेक्ष वृद्धि की अवधि के लिए तैयार है, जो प्रत्यक्ष और अचल संपत्ति निवेश में उल्लेखनीय विस्तार से प्रेरित है। रिपोर्ट में कई प्रमुख पहलुओं को सूचीबद्ध किया गया है, जो अन्य उभरते बाजारों की तुलना में भारत को आकर्षक बनाते हैं।

आयकर रिटर्न की 31 जुलाई की समयसीमा नहीं बढ़ेगी, जल्द दाखिल करें आईटीआर

नई दिल्ली/भाषा। राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा ने कहा कि वित्त मंत्रालय आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की 31 जुलाई की समयसीमा को बढ़ाने पर विचार नहीं कर रहा है। उन्होंने साथ ही आयकरदाताओं से जल्द से जल्द अपना रिटर्न दाखिल करने को कहा।

मल्होत्रा ने पीटीआई-भाषा के साथ साक्षात्कार में कहा, हमें उम्मीद है कि इस साल पिछले वर्ष से ज्यादा रिटर्न दाखिल होंगे... हमें उम्मीद है कि यह पिछले साल से ज्यादा होना चाहिए।

पिछले साल 31 जुलाई तक लगभग 5.83 करोड़ आयकर रिटर्न दाखिल किए गए थे, जो आकलन वर्ष 2022-23 के लिए रिटर्न दाखिल करने का आखिरी दिन था। उन्होंने कहा, हम आयकर रिटर्न दाखिल करने वालों को धन्यवाद देना चाहते हैं, क्योंकि आईटीआर दाखिल करने की गति पिछले साल की तुलना में बहुत तेज है और हम उन्हें सलाह देंगे कि वे आखिरी क्षण तक इंतजार न करें और समयसीमा में किसी भी विस्तार की उम्मीद न करें।

उन्होंने कहा, इसलिए मैं उन्हें जल्द से जल्द अपना कर रिटर्न दाखिल करने की सलाह दूंगा, क्योंकि 31 जुलाई की समयसीमा तेजी से नजदीक आ रही है।

पाकिस्तान में 150 साल पुराने मंदिर को गिराया गया

कराची/भाषा। पाकिस्तान के सिंध प्रांत की राजधानी कराची में करीब 150 साल पुराने एक हिंदू मंदिर को पुराना और खतरनाक ढांचा बताते हुए ध्वस्त कर दिया गया।

मंदिर ध्वस्त किए जाने के बाद इलाके में रहने वाले हिंदू समुदाय के लोग दहशत में हैं।

कराची के सोल्जर बाजार में स्थित मारी माता मंदिर को शुक्रवार देर रात भारी पुलिस बल की मौजूदगी में बुलडोजर की मदद से ढहा दिया गया।

क्षेत्र में हिंदू मंदिरों की देखभाल करने वाले रामनाथ मिश्रा महाराज ने कहा, उन्होंने (अधिकारियों ने) देर रात मंदिर को गिरा दिया और हमें इसकी कोई जानकारी नहीं थी कि ऐसा होने वाला है। मिश्रा ने कहा कि अधिकारियों ने मंदिर के बाहरी दीवारों और मुख्य द्वार को बरकरार रखा, लेकिन उन्होंने अंदर की पूरी संरचना को ध्वस्त कर दिया। उन्होंने कहा कि मंदिर करीब 150 साल पहले बनाया गया था और कहा जाता था कि मंदिर के प्रांगण में खजाना दबा हुआ था। उन्होंने कहा कि मंदिर 400 से 500 वर्ग गज क्षेत्र में बना था और वर्षों से मंदिर की भूमि को हड़पने का प्रयास किया जा रहा था।

आईएसआई एजेंट को एटीएस ने किया गिरफ्तार

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी 'आईएसआई' का एजेंट होने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एटीएस द्वारा रविवार को जारी एक बयान के मुताबिक, खुफिया सूचनाओं के आधार पर यह तथ्य सामने आया था कि गोंडा जिले के तरबगंज क्षेत्र के दीनपुरवा का निवासी रईस आईएसआई का एजेंट है और उसे महत्वपूर्ण गोपनीय सूचनाएं उपलब्ध करवा रहा है।

भाजपा को हराने की रणनीति

26 विपक्षी दलों की बैठक आज बेंगलूरु में

नई दिल्ली/बेंगलूरु। बेंगलूरु में सोमवार को होने वाली विपक्ष की बैठक में 26 विपक्षी दलों के शीर्ष नेताओं के दो दिवसीय विचार-मंथन सत्र में भाग लेने की संभावना है, जहां वे 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने के लिए अपनी रणनीति तैयार करेंगे। सूत्रों ने यह जानकारी दी। कांग्रेस द्वारा आयोजित बैठक की पूर्व संध्या पर पार्टी ने स्पष्ट किया कि वह संसद में दिल्ली में सेवाओं के नियंत्रण पर केंद्र के अध्यादेश का विरोध करेगी। आम आदमी पार्टी ने शर्त रखी थी कि कांग्रेस द्वारा संसद में अध्यादेश का विरोध करने की सूरत में ही वह विपक्षी दलों की बैठक में भाग लेगी। इस बार बैठक में कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी के भी शामिल होने की संभावना है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस के पूर्व प्रमुख राहुल गांधी, राकांपा सुप्रीमो शरद पवार, टीएमसी प्रमुख एवं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, बिहार के मुख्यमंत्री एवं जद(यू) नेता नीतीश कुमार, द्रमुक नेता एवं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन, झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता एवं झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और आम आदमी पार्टी के नेता एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल बैठक में शामिल हो सकते हैं। दो दिवसीय सत्र की शुरुआत कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया द्वारा आयोजित रात्रिभोज के साथ होगी और मंगलवार को एक और औपचारिक बैठक होगी।

जलवायु परिवर्तन के मद्देजर फसलों की नई किस्मों का विकास : तोमर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

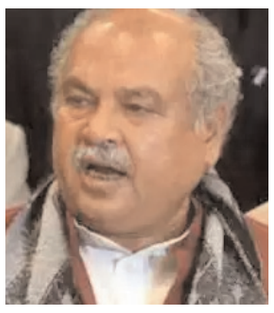

नई दिल्ली/वार्ता। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने जलवायु परिवर्तन को गंभीर चुनौती बताते हुए रविवार को कहा कि विश्व की खाद्य जरूरतों को पूरा करने के लिए फसलों की नई-नई किस्मों का विकास किया गया है, जो उत्पादन एवं उत्पादकता को सतत बनाए रखने में सक्षम हैं।

तोमर ने कृषि अनुसंधान परिषद के 95वां स्थापना और प्रौद्योगिकी दिवस को संबोधित करते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन विश्व के समक्ष एक गंभीर चुनौती है, जिसका आधुनिक तकनीक से मुकाबला किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण फसलों और बागवानी फसलों का उत्पादन बढ़ाना और खेती में जल की बचत करना एक प्रमुख चुनौती है। पिछले सात-आठ वर्षों के दौरान कृषि के क्षेत्र में तकनीक का उपयोग बढ़ा है और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद में भी इसकी गति को बनाए रखा गया है।

कृषि मंत्री ने कहा कि वैज्ञानिक अथक परिश्रम कर प्रयोगशालाओं में नई-नई तकनीक का विकास करते हैं, जिसका खेतों तक पहुंचना बहुत जरूरी है। इससे सबसे अधिक किसानों को फायदा होगा, जो उसका असली हकदार हैं। उन्होंने कहा कि एक समय फसलों का उत्पादन बढ़ाने के लिए रसायनिक उर्वरकों के प्रयोग पर अधिक जोर दिया गया था। कुछ क्षेत्रों में किसानों ने रसायनिक उर्वरकों का अंधाधुंध प्रयोग किया, जिसके कारण जमीन की उरवरा शक्ति घटने लगी है। सरकार ने इस परिस्थिति को देखते हुए जैविक एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने का निर्णय लिया है। इससे खेती की लागत कम होगी और जमीन की उरवरा शक्ति भी बढ़ेगी। सरकार ने खेती की इस पद्धति को मिशन मोड में रखा है और इसके लिए बजट में 1500 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। तोमर ने कहा कि गोबर्धन और पीएम प्रणाम योजना पर भी कार्यवाही की जा रही है। इसके लिए राज्यों को आगे आने की जरूरत है। जो राज्य सरायनिक उर्वरकों का प्रयोग कम कर जैविक उर्वरकों के उपयोग को बढ़ावा देंगे, उन्हें केंद्र सरकार की ओर से आर्थिक मदद दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि कृषि वैज्ञानिकों ने फसलों की उत्पादकता और गुणवत्ता में भारी सुधार किया है, जिसके कारण विश्व में भारतीय खाद्यानों और बागवानी फसलों की मांग बढ़ी है। पिछले वर्षों 50 अरब डॉलर के कृषि उत्पादों का निर्यात किया गया, जो एक रिकॉर्ड है। उन्होंने कहा कि एक समय देश की खाद्य जरूरतों को पूरा करने के लिए फसलों के उत्पादन पर ध्यान था, लेकिन अब वह स्थिति नहीं है।

एलोन मास्क ने अमेरिका पर लगाया पाखंड का आरोप

वाशिंगटन/वार्ता। अरबपति उद्यमी एलोन मस्क ने क्लस्टर हथियारों का इस्तेमाल करने वाले अन्य देशों की कड़ी निंदा करने और अब इन हथियारों को यूक्रेन भेजने के लिए अमेरिका पर पाखंड का आरोप लगाया है। मस्क ने शनिवार को ट्वीटर पर लिखा, अमेरिका ने क्लस्टर बमों का इस्तेमाल करने वालों को हमेशा दुष्ट बताया है, लेकिन अब हम उन्हें इस्तेमाल के लिए भेज रहे हैं? इससे कोई फायदा नहीं होगा। भाग्य को विडंबना पसंद है, लेकिन पाखंड से नफरत है। उन्होंने एक अन्य ट्वीट में कहा कि अमेरिका ने हताशा के कारण कीव को क्लस्टर हथियार प्रदान करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा, मैं लोगों के लिए सर्वोत्तम परिणाम चाहता हूं। रूस के पास यूक्रेन की तुलना में कम से कम चार गुना तोपखाने और दस गुना गोला-बारूद है। हमारे पास यूक्रेन भेजने के लिए सामान्य गोला-बारूद खत्म हो गया है, इसलिए अब हताशा में उन्हें क्लस्टर बम भेजें, खुद को कमजोर कर रहे हैं।

'आज जब हिंदुस्तान बोलता है तो सारी दुनिया कान खोल कर सुनती है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि पहले अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की बातों को गंभीरता से नहीं लिया जाता था लेकिन आज जब हिंदुस्तान बोलता है तो सारी दुनिया कान खोल कर सुनती है।

अपने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र लखनऊ के तीन दिवसीय दौरे पर आए रक्षा मंत्री ने निराला नगर आवासीय जन कल्याण समिति की बैठक में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत का मान-सम्मान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ा है। उन्होंने कहा, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पहले भारत की बातों को गंभीरतापूर्वक नहीं लिया जाता था, आज जब भारत अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बोलता है तो सारी दुनिया कान खोलकर सुनती है। आप लोगों ने टीवी पर देखा होगा कि हमारे प्रधानमंत्री जब दूसरे देशों में जाते हैं तो वहां उनका स्वागत कैसे होता है। सिंह ने कहा, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री उन्हें (मोदी) बॉस कहकर पुकारते हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति मोदी जी को कहते हैं कि आप ग्लोबली पावरफुल हैं, आपका ऑटोग्राफ लेने की इच्छा हो रही है। मुस्लिम देश भी सर्वोच्च सम्मान दे रहे हैं। पापुआ न्यू गिनी के प्रधानमंत्री ने पैर छूने के लिए अपना हाथ आगे बढ़ाया। यह सम्मान व्यक्ति के साथ-साथ हर भारतवासी का सम्मान है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में दुनिया भर में भारत सबसे तेज गति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है। 2013-2014 में भारत विश्व की 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश था। आज हम दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। सिंह ने कहा, ब्रह्मोस मिसाइल का निर्माण लखनऊ में होगा। इसकी फैक्टरी में भारत के अभियंताओं के साथ-साथ विदेशी इंजीनियर भी काम करेंगे और यहां के लोगों को भी बड़ी संख्या में रोजगार मिलेगा। मिसाइल ले जाने के लिए रेलवे ट्रैक का भी निर्माण होगा।

पंजाब के होशियारपुर में वर्षा से कई गांव जलमग्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

होशियारपुर (पंजाब)/भाषा। पंजाब के होशियारपुर में दसूया उपमंडल के कई गांव रात भर हुई भारी बारिश के बाद जलमग्न हो गए, जिसके बाद अधिकारियों को इलाके के कुछ लोगों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करना पड़ा। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि कुछ लोगों ने शिकायत की कि उनके घरेलू सामान पानी से खराब हो गए हैं। शनिवार रात दसूया के उप-पर्वतीय क्षेत्र में बारिश हुई और पानी घोगरा, हलेर, सोंसपुर, बिसोचक, सागरन, पवन, बामियाल, जिओ चक, धाधर, बेहबोवाल, घंगोवाल, जलालचक, टो, मांड और पंढेर सहित विभिन्न गांवों के खेतों में घुस गया। होशियारपुर के उपायुक्त कोमल मित्तल ने कहा कि घोगरा के कुछ निवासियों को गांव के एक सामुदायिक केंद्र और एक धर्मशाला में स्थानांतरित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि जियो चक गांव में एक पोल्ट्री फार्म की मुर्गियां बाढ़ में बह गईं।

मित्तल ने कहा कि जिला प्रशासन के अधिकारी इलाके में मौजूद हैं और स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है।

बाढ़ प्रभावित नोएडा और दिल्ली में जानवरों को बचाने के लिए गैर सरकारी संगठन आगे आए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय राजधानी में यमुना के जलस्तर में रिकॉर्ड वृद्धि के बाद जनजीवन अस्त-व्यस्त है। बाढ़ की वजह से दिल्ली के कई इलाकों में सड़कों पर पानी भर गया है। जलस्तर में वृद्धि के कारण निचले इलाकों में संपत्तियों को नुकसान हुआ है तथा बाढ़ प्रभावित इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए जटिल स्थिति पैदा हो गई है।

यमुना में आई बाढ़ के बाद बचावकर्मियों की प्राथमिकता ज्यादा से ज्यादा लोगों को प्रभावित इलाकों से निकालने की रही। हालांकि, कई मामलों में आवारा कुत्तों, बेसहारा गायों, सांड़ और बिल्ली जैसे जानवरों को वहीं छोड़ दिया गया। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) पिछले कुछ दिनों में दिल्ली और नोएडा के बाढ़ प्रभावित इलाकों से 900 से अधिक जानवरों को बचाने के लिए आगे आया। इसके अलावा, दो गैर सरकारी संगठनों ने भी 400 से अधिक कुत्तों को इन इलाकों से सुरक्षित निकाला। 'फ्रेंडिकोज' और नोएडा स्थित 'हाउस ऑफ स्ट्रे एनिमल्स' नामक गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) ने शहर के विभिन्न हिस्सों में अभियान चलाया और यमुना के जलस्तर में वृद्धि से प्रभावित निचले इलाकों में फंसे सैकड़ों कुत्तों को बचाया।

दिल्ली में कहर बरपाने के बाद यमुना का जलस्तर शनिवार सुबह से कम होने लगा, लेकिन यह अभी भी खतरे के निशान 205.33 मीटर से दो मीटर ऊपर बह रही है।

फ्रेंडिकोज के एक सदस्य ने बचाव अभियान के बारे में पीटीआई-भाषा को बताया कि उनके स्वयंसेवक समूह ने पिछले तीन दिनों के भीतर बाढ़ प्रभावित इलाकों से 150 से अधिक कुत्तों और 10 से अधिक गायों तथा अन्य संबंधित जानवरों को बचाया। उन्होंने कहा कि फ्रेंडिकोज़ स्वयंसेवक राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में फैले हुए हैं और बचाव अभियान चला रहे हैं।

सरकार ने 'बफर स्टॉक' के लिए 3 लाख टन प्याज खरीदा

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने चालू वित्त वर्ष में 'बफर स्टॉक' (भंडारण) के लिए 20 प्रतिशत अधिक यानी कुल तीन लाख टन प्याज खरीदा है। उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित सिंह ने रविवार को बताया कि सरकार प्याज को अधिक समय तक सुरक्षित रखने के लिए भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बार्क) के साथ काम कर रही है। वित्त वर्ष 2022-23 में सरकार ने बफर स्टॉक के लिए 2.51 लाख टन प्याज रखा था। बफर स्टॉक कम आपूर्ति वाले मौसम में कीमतों को काबू में रखने के लिए मूल्य स्थिरीकरण कोष (पीएसएफ) के तहत रखा जाता है।

सिंह ने पीटीआई-भाषा से कहा, त्योहारी सीजन में किसी भी स्थिति से निपटने के लिए सरकार ने इस साल बफर स्टॉक में भारी बढ़ोतरी करते हुए तीन लाख टन प्याज खरीदा है। प्याज की कोई कमी नहीं है। बफर स्टॉक के लिए खरीदा गया प्याज हाल ही में समाप्त हुए रबी सत्र का है। फिलहाल, खरीफ के प्याज की बुवाई चल रही है और अक्टूबर में इसकी आवक शुरू हो जाती है। सचिव ने कहा, आमतौर पर, खुदरा बाजार में प्याज की कीमत 20 दिन के लिए या खरीफ फसल के बाजार में आने तक दबाव में रहती हैं। लेकिन इस बार ऐसी कोई समस्या नहीं होगी। उपभोक्ता मामलों का मंत्रालय प्याज के संरक्षण के लिए परमाणु ऊर्जा विभाग और 'बार्क' के साथ प्रौद्योगिकी का भी परीक्षण कर रहा है।

सकारात्मक बना हुआ है आवास क्षेत्र का मांग परिदृश्य : राजीव

नई दिल्ली/भाषा। रियल एस्टेट कंपनी डीएलएफ के चेयरमैन राजीव सिंह देश के आवास क्षेत्र को लेकर उत्साहित हैं और उन्हें उम्मीद है कि तेजी से शहरीकरण, बेहतर संभावनाओं और घर की चाहत के कारण बिक्री की रफ्तार मजबूत बनी रहेगी। सिंह ने यह भी कहा कि इस क्षेत्र में भरोसेमंद और संगठित रियल एस्टेट कंपनियों की परियोजनाओं में अच्छी मांग देखी जा रही है। डीएलएफ के शेयरधारकों को 2022-23 की वार्षिक रिपोर्ट में एक संदेश में सिंह ने कहा कि आवास क्षेत्र में मजबूत मांग जारी है। उन्होंने कहा, 'शहरीकरण, बेहतर क्षमता, अनुकूल उपभोक्ता भावनाओं और घर की बढ़ती चाहत जैसे कारकों से घरों की मांग सकारात्मक बनी हुई है और ये रफ्तार बनी रहने की उम्मीद है।

सिंह ने पाया कि आवास क्षेत्र में मजबूती देखी जा रही है, जो संगठित और भरोसेमंद कंपनियों के पक्ष में है। उन्होंने बताया कि यह प्रवृत्ति मुख्य रूप से इन ब्रांड में उपभोक्ताओं के बढ़ते भरोसे, उनकी वित्तीय स्थिति में पर्याप्त सुधार और पिछले कुछ वर्षों में उच्च-गुणवत्ता वाले नतीजे देने के चलते है।

विश्व बैंक प्रमुख, अमेरिकी वित्त मंत्री ने गुजरात के विद्या समीक्षा केंद्र की सराहना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गांधीनगर/भाषा। विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा ने रविवार को कहा कि गुजरात के गांधीनगर में स्थित विद्या समीक्षा केंद्र की सराहना की और कहा कि न केवल देश, बल्कि दुनिया के अन्य हिस्सों में भी एक मॉडल के रूप में इसे दोहराने की जरूरत है।

बंगा ने अमेरिकी वित्त मंत्री जेनेट येलेन के साथ केंद्र का दौरा किया। यह केंद्र पूरे गुजरात के 1.15 करोड़ छात्रों, लगभग पांच लाख शिक्षकों और 50,000 स्कूलों के शैक्षणिक और प्रशासनिक डेटा को इकट्ठा करता है और उसका विश्लेषण करता है।

येलेन ने कहा कि गरीबी के चक्र को तोड़ने और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इस तरह के विचारों को पूरे देश में लागू करना चाहिए और निश्चित रूप से इसके लिए देश को हमारे साथ काम करने की जरूरत है। बंगा ने कहा कि वह इसे देश के बाहर ले जाने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र को एक उदाहरण के रूप में रखा जा सकता है कि बड़ी युवा आबादी वाले देश में विकास कैसे किया जाए।

बंगा ने कहा कि भारत में किसी भी अन्य देश की तुलना में अधिक युवा हैं और अगर उन्हें अच्छी शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, हवा और पानी मिले तो उन्हें इसका जनसांख्यिकीय लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि वह कुछ दिनों में नई दिल्ली का दौरा करेंगे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के दौरान उन्हें बताएंगे कि यह केंद्र एक अच्छा विचार है, जिसे भारत और विदेशों में अन्य स्थानों पर भी स्थापित किया जा सकता है।

भारत सहयोग के लिए एक 'अनिवार्य साझेदार' : येलेन

गांधीनगर/भाषा। अमेरिकी वित्त मंत्री जेनेट येलेन ने रविवार को कहा कि भारत को अमेरिका विनिर्माण और संसाधन आपूर्ति में सहयोग (फ्रेंडशोरिंग) के लिए एक 'अनिवार्य साझेदार' के रूप में देखता है।

मित्र या समान विचारधारा वाले देशों से विनिर्मित उत्पादों या अन्य सेवाओं के व्यापार को फ्रेंडशोरिंग कहते हैं। येलेन ने उम्मीद जताई कि वह अपनी यात्रा का इस्तेमाल दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत बनाने के लिए करेंगी।

येलेन ने यहां गुजरात में जी20 देशों के वित्त मंत्रियों के साथ अपनी बैठक से पहले संवाददाताओं से कहा कि अमेरिका भारत में 'फ्रेंडशोरिंग' को बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने कहा, 'हमारी आपूर्ति श्रृंखलाओं में बढ़ती मजबूती के लिए हमारे दृष्टिकोण का एक महत्वपूर्ण आधार समान विचारधारा वाले देशों से सहयोग है। हम भारत को इसमें एक अनिवार्य भागीदार के रूप में देखते हैं और इस यात्रा का उपयोग इस महत्वपूर्ण रिश्ते को मजबूत करने के लिए किया जाएगा।

दिल्ली बाढ़: हरियाणा के मुख्यमंत्री खट्टर ने दोषारोपण को लेकर आप पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने दिल्ली के कुछ हिस्सों में बाढ़ को लेकर उनके राज्य को जिम्मेदार ठहराने के लिए रविवार को आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं पर निशाना साधा और कहा कि उंगली उठाना मानवता, राज्य या देश के हित में नहीं है।

आप नेताओं ने आरोप लगाया है कि हरियाणा में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने हथिनीकुंड बैराज से अत्यधिक पानी छोड़ा, जिससे यमुना नदी में बाढ़ आ गई और इसका पानी राष्ट्रीय राजधानी की सड़कों पर आ गया।

खट्टर ने रोहतक में पत्रकारों से कहा कि वे इस तरह के आरोपों से हरियाणा को बदनाम नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि हरियाणा 'सेवा' कर सकता है, लेकिन दूसरों को नुकसान पहुंचाने के बारे में कभी नहीं सोच सकता। खट्टर ने कहा, यह आरोप-प्रत्यारोप अच्छा नहीं है। यह न तो मानवता, न ही राज्य और न ही देश के हित में है। उन्होंने कहा, किसी के मन में यह कभी नहीं आ सकता कि वह अपनी रक्षा के लिए किसी को नुकसान पहुंचाए। ऐसा तो कोई छोटी सोच वाला व्यक्ति ही कर सकता है। खट्टर ने सवाल किया कि क्या ऐसा हो सकता है कि हम पहले अपने जिलों को डुबो देंगे और फिर दिल्ली को। उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, यह, हम तो डूबेंगे सनम, तुमको भी ले डूबेंगे, जैसा है।

मुंबई: मार्वे क्रीक में डूब रहे 5 बच्चों में से 2 को बचाया गया, 3 लापता

मुंबई/भाषा। मुंबई के मार्वे क्रीक (झील) में रविवार सुबह नहाने गए पांच किशोर डूबने लगे तो स्थानीय लोगों ने दो किशोरों को बचा लिया, लेकिन तीन बच्चे अब भी लापता हैं जिन्हें ढूंढने का काम जारी है। अग्निशमन दल के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि घटना सुबह 9:38 की है, जब 12 से 16 साल की उम्र के पांच लड़के समुद्र तट से आधा किलोमीटर दूर मलाड इलाके में स्थित क्रीक में नहाने गए थे। अधिकारी ने कहा कि उनमें (बच्चों) से 13 और 16 साल के किशोरों को अग्निशमन दल के वहां पहुंचने से पहले ही आम लोगों द्वारा बचा लिया गया। उन्होंने कहा कि तीन अन्य किशोर, जिनमें से दो की उम्र 12 साल और एक की 13 साल है, लापता हैं।

संसद का मानसून सत्र हंगामेदार रहने के आसार

नई दिल्ली/भाषा। संसद के 20 जुलाई से शुरू हो रहे मानसून सत्र के हंगामेदार रहने के आसार हैं। एक ओर जहां सत्ता पक्ष महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित कराने का प्रयास करेगा, वहीं दूसरी ओर विपक्ष मणिपुर हिंसा, रेल सुरक्षा, महंगाई और अडाणी मामले पर जेपीसी गठित करने की मांग सहित अन्य मुद्दों पर सरकार को घेरने की कोशिश करेगा।

केंद्र की भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने मानसून सत्र से पहले विभिन्न राजनीतिक दलों के सदन के नेताओं के बीच आम सहमति बनाने के लिए 19 जुलाई को एक सर्वदलीय बैठक बुलाई है। लोकसभा सचिवालय की बुलेटिन के अनुसार, संसद के मानसूत्र सत्र या 17वीं लोकसभा के 12वें सत्र के दौरान लिए जाने वाले सरकारी कार्यों की संभावित सूची में 21 नए विधेयकों को पेश व पारित करने के लिए सूचीबद्ध किया गया है। इसमें दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सरकार संशोधन विधेयक 2023 भी शामिल है। यह विधेयक संबंधित अध्यादेश का स्थान लेने के लिए पेश किया जाएगा।

'विपक्ष में कांग्रेस का 'खास स्थान' है, भाजपा विरोधी गुट का नेता ठीक वक्त पर सामने आएगा'

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस की ओर से बेंगलूरु में आयोजित विपक्षी दलों की अहम बैठक से पहले पार्टी के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने रविवार को विश्वास व्यक्त किया कि विपक्ष एकजुट होकर 2024 के लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को चुनौती दे सकता है। चिदंबरम ने साथ ही कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विरोधी गुट का नेता ठीक वक्त पर सामने आएगा।

कांग्रेस नेता ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा कि विपक्षी दलों में कांग्रेस का 'खास स्थान' है लेकिन इस पर इस वक्त बात करने की जरूरत नहीं है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) ने पटना में विपक्ष की बैठक में जिस तरह से दिल्ली अध्यादेश का मुद्दा उठाया था वह दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मुद्दे पर उसके गुण-दोष के आधार पर, उचित वक्त पर और उचित स्थान पर फैसला लिया जाएगा।

कांग्रेस नेता ने जोर देकर कहा कि विपक्षी दलों के कई साझा उद्देश्य हैं जैसे कि वे भाजपा सरकार की सामाजिक तथा आर्थिक नीतियों के खिलाफ हैं तथा धीमी आर्थिक वृद्धि, बढ़ती मंहगाई एवं बढ़ती बेरोजगारी को लेकर चिंतित हैं, साथ ही वे नागरिक स्वतंत्रता में कटौती, मीडिया पर दबाव, संस्थाओं को कमजोर करने तथा जांच एजेंसियों के दुरुपयोग को लेकर भी चिंतित हैं।

'कांग्रेस दिल्ली में सेवाओं पर नियंत्रण से संबंधित अध्यादेश का समर्थन नहीं करेगी'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने रविवार को साफ किया कि वह दिल्ली में सेवाओं के नियंत्रण से संबंधित केंद्र के अध्यादेश का संसद में समर्थन नहीं करेगी और देश में संघवाद को ध्वस्त करने के केंद्र सरकार के ऐसे किसी भी प्रयास का विरोध करेगी।

कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने कहा कि पार्टी का रुख साफ है कि वह राज्यपालों के जरिए विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों में हस्तक्षेप करने के केंद्र के ऐसे किसी भी कदम का विरोध करेगी और उसने संसद में दिल्ली में सेवाओं के नियंत्रण से संबंधित अध्यादेश पर विधेयक पेश किए जाने पर इसका विरोध करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, 'हम संघवाद को खत्म करने के केंद्र सरकार के प्रयासों का निरंतर विरोध कर रहे हैं। हम विपक्ष द्वारा शासित राज्यों को राज्यपालों के जरिए चलाने के केंद्र सरकार के रवैये का निरंतर विरोध कर रहे हैं। हमारा रुख बहुत स्पष्ट है, हम दिल्ली में सेवाओं पर नियंत्रण से संबंधित अध्यादेश का समर्थन नहीं करने वाले हैं। आप ने कहा कि दिल्ली में प्रशासनिक सेवाओं के नियंत्रण पर केंद्र के अध्यादेश पर कांग्रेस का स्पष्ट विरोध एक सकारात्मक घटनाक्रम है। 'आप' के सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता राघव चड्ढा ने ट्वीट किया, 'कांग्रेस ने दिल्ली में सेवाओं के नियंत्रण से संबंधित अध्यादेश का स्पष्ट विरोध करने की घोषणा की है। यह एक सकारात्मक घटनाक्रम है।

वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस संसद में आने वाले महत्वपूर्ण मामलों पर फैसला लेने के लिए सत्र से पहले आम तौर पर संसद की अपनी रणनीति समिति की बैठक बुलाती है।

जीस ग्रुप भारत में नए संयंत्र पर 2,500 करोड़ रु. का निवेश करेगा

नई दिल्ली/भाषा। चश्मे के लेंस बनाने वाली वैश्विक कंपनी जीस ग्रुप कर्नाटक में नए संयंत्र पर 2,500 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह निवेश मुख्य रूप से लेंस विनिर्माण क्षमता बढ़ाने के लिए किया जा रहा है। समूह की भारतीय इकाई कार्ल जीस इंडिया नए संयंत्र के पूरी तरह संचालित होने पर लगभग 5,000 लोगों को नियुक्त करेगी। भारत में परिचालन के 25 साल पूरे कर चुकी कंपनी का लक्ष्य 2027 तक अपना कारोबार 5,000 करोड़ रुपए करने का है।

कार्ल जीस इंडिया के निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) श्रेयस कुमार ने पीटीआई-भाषा से कहा, भारतीय बाजार में हमारा नया संयंत्र शुरू होने वाला है, जिसके लिए हमें मंजूरी मिल गई है। यह संयंत्र 'इन्वेस्ट इन कर्नाटक' के तहत बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा, हमने बेंगलूरु हवाई अड्डे के पास 34 एकड़ जमीन खरीदी है। इसमें लगभग 2,500 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा। उन्होंने कहा कि संयंत्र में शुरुआत में 800 लोगों और पूरी क्षमता से संचालित होने पर 5,000 तक लोगों को नौकरी दी जा सकेगी।

गेहूं और वैश्विक खाद्य आपूर्ति पर इस साल अल नीनो का प्रभाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कैम्परडाउन (ऑस्ट्रेलिया)/द कन्वरशेसन। 'वर्ल्ड मेट्रोलॉजिकल ऑर्गेनाइजेशन' (डब्ल्यूएमओ) ने सात वर्षों में पहले अल नीनो प्रभाव की शुरुआत होने की घोषणा की है। उसने यह पूर्वानुमान किया है कि प्रशांत महासागर के सतह के गर्म होने से उत्पन्न मौसमी दशा अल नीनो का प्रभाव 2023 में बना रहेगा। अल नीनो के कारण ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया और इंडोनेशिया में गर्म और सूखे मौसम की संभावना बढ़ जाती है जिससे जंगलों में आग लगने और अकाल पड़ने का खतरा बढ़ जाता है। साथ ही, पेरू और इक्वाडोर में अतिवृष्टि की संभावना होती है जिससे बाढ़ का खतरा बढ़ जाता है।

मानव जनित कारणों से हो रहे जलवायु परिवर्तन के मद्देनजर इन प्रभावों को 'न्यू नॉर्मल' (जिसे वर्तमान में सामान्य स्थिति माना जाता है) की झलक माना जा रहा है। इस मौसमी परिवर्तन का कृषि उत्पादन पर प्रभाव और उसके कारण खाद्यान्न की कीमतों में वृद्धि चिंता का विषय है। खास तौर से गेंहू, मक्का और धान के उत्पादन तथा कीमतों पर इसका प्रभाव चिंताजनक है।

दुनिया पर अल नीनो का प्रभाव कई रूप में पड़ रहा है, लेकिन यह तय है कि दुनिया की ज्यादातर आबादी इससे प्रभावित हो रही है। और यह खास तौर से गरीब और ग्रामीण परिवारों के परिप्रेक्ष्य में सही है क्योंकि उनका भविष्य पूरी तरह से जलवायु और कृषि पर आधारित है। वैश्विक खाद्यान्न आपूर्ति और उसकी कीमतों के बहुत ज्यादा प्रभावित होने की आशंका है। पिछले पांच दशकों में 10 अल नीनो प्रभावों का विश्लेषण करने पर पता चलता है कि वैश्विक रूप से कीमतें प्रभावित हुई हैं।

अल नीनो के प्रभाव के कारण औसत खाद्यान्न उत्पादन प्रभावित हुआ है, लेकिन इसके कारण दुनिया में 'गेंहू, मक्का और धान' के भंडार अत्यधिक प्रभावित नहीं हुए हैं। हालांकि, स्थानीय स्तर पर इसका प्रभाव बहुत गंभीर है। 'मध्यम स्तर' के अल नीनो का विशेष भौगोलिक क्षेत्र में ऊपज पर असर हो सकता है जैसे कि इंडोनेशिया और मलेशिया में 'पाम तेल' का उत्पादन। कुछ जगहों पर खाद्यान्नों की उपलब्धता और कीमतों पर अल नीनो के प्रभाव का बहुत गंभीर असर हो सकता है और वहां भुखमरी और मानवीय संघर्ष जैसे सामाजिक संकट पैदा हो सकते हैं।

दुनिया को खाद्यान्न पर असर: 'संयुक्त राष्ट्र खाद्यान्न मूल्य सूचकांक' के आंकड़ों के अनुसार, अल नीनो प्रभाव और दुनिया में खाद्यान्न की कीमतों के बीच सीधा संबंध है। हालांकि, इस प्रत्यक्ष संबंध के बावजूद ऐसा कम ही हुआ है जब अल नीनो वाले साल में कीमतों में बहुत ज्यादा वृद्धि देखी गई हो। यहां तक कि पिछले तीन दशकों में दो सबसे गंभीर अल नीनो प्रभाव के दौरान कीमतों कमी दर्ज की गई है। इस दौरान अन्य कारकों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है जैसे... एशियाई वित्तीय संकट, 1997 और वैश्विक वित्तीय संकट 2007 से 2008 तक।

मुसलमानों पर टिप्पणी को लेकर हिमंत के खिलाफ स्वतः संज्ञान ले न्यायपालिका : महबूबा मुफ्ती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने रविवार को कहा कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा द्वारा महंगाई के लिए मुसलमानों को जिम्मेदार ठहराना बेरोजगारी और मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने में केंद्र की भाजपा नीत सरकार की विफलता को दर्शाता है। जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री मुफ्ती ने कहा कि जब न्यायपालिका ने भ्रष्टाचार पर सवाल उठाने के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ कार्रवाई की, तो उसे शर्मा की टिप्पणी पर भी स्वत: संज्ञान लेना चाहिए।

महबूबा मुफ्ती ने ट्वीट किया, 'असम के मुख्यमंत्री द्वारा बढ़ती महंगाई के लिए मुसलमानों को जिम्मेदार ठहराना बेरोजगारी, महंगाई और विकास की कमी पर भाजपा की पूरी तरह से विफलता को दर्शाता है। हिमंत हिंदुओं से खुलेआम अपील कर रहे हैं कि वे उनकी आजीविका के छोटे-छोटे साधनों - सब्जी और किराना दुकानों को भी जबरन छीन लें।

मुफ्ती ने लिखा, 'न्यायपालिका ने भ्रष्टाचार पर वैध सवाल उठाने के लिए राहुल गांधी के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की, असम के मुख्यमंत्री के भड़काऊ बयानों पर स्वत: संज्ञान लेने से उन्हें कौन रोकता है...।

शर्मा ने गुवाहाटी में सब्जियों की ऊंची कीमतों पर पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा था, गांवों में सब्जियों की कीमत इतनी अधिक नहीं होती। यहां मियां विक्रेता हमसे अधिक दाम लेते हैं। अगर सब्जी बेचने वाले असमिया होते, तो वे अपने ही लोगों को नहीं लूटते। उन्होंने कहा, मैं गुवाहाटी के सभी फुटपाथ से अतिक्रमण हटा दूंगा। मैं अपने असमिया लोगों से आगे आने और अपना व्यवसाय शुरू करने का आग्रह करता हूं।

'मियां' 0मूल रूप से असम में बांग्ला भाषी मुसलमानों के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक शब्द है। हाल के वर्षों में इसका इस्तेमाल बढ़ा है।

असम में विपक्षी दलों ने शर्मा पर सांप्रदायिक राजनीति करने का आरोप लगाते हुए भाजपा नेता की टिप्पणी की आलोचना की है।

राज्य में एमबीबीएस की रैंक सूची जारी

इस वर्ष तमिलनाडु में 6,326 एमबीबीएस और 1,768 बीडीएस सीटें आवंटित की गईं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के स्वास्थ्य मंत्री मा.सुब्रमण्यम ने रविवार को मेडिकल और डेंटल पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए रैंक सूची जारी की। सुब्रमण्यम ने पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेजों 6,326 एमबीबीएस सीटें इस साल प्रवेश के लिए उपलब्ध हैं। राज्य के डेंटल कॉलेजों में बीडीएस सीटों की कुल संख्या 1,768 है। पिछले साल राज्य ने सरकारी कोटे के तहत कुल 6,067 एमबीबीएस सीटें और 1,380 बीडीएस सीटें आवंटित की थीं।इस वर्ष मेडिकल कॉलेजों में 7.5 प्रतिशत कोटा के लिए यूजी मेडिकल सीटों की कुल संख्या एमबीबीएस के लिए 473 सीटें और बीडीएस के लिए 133 सीटें हैं। मंत्री ने कहा कि 2020-21 में 7.5 प्रतिशत सरकारी कोटा के तहत 435 सीटें आवंटित की गईं, जबकि 2021-22 में 555 और 2022-23 में 584 सीटें आवंटित की गईं।

सुब्रमण्यन ने कहा कि एमबीबीएस के लिए 1,509 प्रबंधन कोटा सीटें और बीडीएस के लिए 395 सीटें उपलब्ध हैं। 36 सरकारी मेडिकल कॉलेज, एक ईएसआई मेडिकल कॉलेज, 21 स्व-वित्तपोषण मेडिकल कॉलेज और 13 डीम्ड विश्वविद्यालय हैं, जो 11,475 एमबीबीएस सीटों और 2,150 बीडीएस सीटों के साथ तमिलनाडु में कुल 71 मेडिकल कॉलेज हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार लगातार एनईईटी का विरोध कर रही है और उन्होंने देहरादून में राष्ट्रीय स्वास्थ्य सम्मेलन के दौरान एनईईटी छूट की मांग करते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडव्य को एक ज्ञापन दिया है।

एनईईटी छूट की मांग के लिए हमारी याचिका के आधार पर स्पष्टीकरण मांगने के बाद राज्य सरकार ने केंद्रीय गृह मंत्रालय को जवाब दिया है और राज्य स्वास्थ्य विभाग उच्च शिक्षा विभाग और आयुष मंत्रालय ने स्पष्टीकरण दिया है।

उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि इस पर निर्णय लेने के लिए मुझे और स्वास्थ्य सचिव को जल्द ही नई दिल्ली बुलाया जाएगा। हमारा मानना है कि संबंधित विभागों के साथ एक संयुक्त बैठक आयोजित की जाएगी।

उन्होंने कहा, 'तमिलनाडु नीट और नेक्स्ट का विरोध करने वाला एकमात्र राज्य नहीं है और उत्तराखंड सहित विभिन्न राज्यों के लोगों ने भी इनका विरोध किया है।' उन्होंने कहा, यहां तक कि इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने भी कहा कि नेक्स्ट अनावश्यक था और छात्रों ने भी नीट छूट का समर्थन किया।

स्टालिन समुद्र में 'पेन मॉन्यूमेंट' परियोजना को कर सकते हैं रद्द

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन समुद्र में 'पेन मेमोरियल' परियोजना को रद्द कर सकते हैं। कई पर्यावरण संगठनों और राजनीतिक दलों ने इसका विरोध किया है। गौरतलब है कि 'पेन मेमोरियल' की कल्पना स्टालिन के नेतृत्व वाली डीएमके सरकार ने 2021 में सत्ता में आने के तुरंत बाद की थी। स्टालिन के पिता और तमिलनाडु के दिवंगत मुख्यमंत्री एम करुणानिधि के नाम पर स्मारक बनाने की परियोजना के लिए 39 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गई थी।

हालांकि, यह समुद्र में 130 फीट ऊंचे, 84 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट 'पेन मॉन्यूमेंट (स्मारक)' के रूप में विकसित हो गया था। 'पेन स्मारक' के खिलाफ स्थानीय मछुआरों और सामाजिक और पर्यावरण कार्यकर्ताओं ने कड़ा विरोध किया था। द्रमुक (डीएमके) के सूत्रों ने आईएएनएस को बताया कि मुख्यमंत्री इस परियोजना को आगे बढ़ाने के इच्छुक नहीं हैं। सीएम इसके बजाय वे समुद्र में नहीं बल्कि मरीना के पास कलैग्नार स्मारक में बनी एक छोटी 'पेन प्रतिमा' को प्राथमिकता देंगे।

द्रमुक नेताओं ने कहा कि यह लगभग तय है कि समुद्र में 'पेन स्मारक' का निर्माण नहीं किया जाएगा। स्टालिन ने अपने करीबी सहयोगियों के कड़े विरोध और इस मुद्दे को लेकर देशव्यापी खबरों को देखते हुए परियोजना को आगे नहीं बढ़ाने का फैसला किया है।

ज्ञात हो कि अप्रैल 2023 में केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (ईएसी) ने 'पेन स्मारक' के लिए तटीय विनियमन क्षेत्र (सीआरजेड) की सिफारिश की थी। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने भी जून में इस परियोजना को मंजूरी दे दी। हालांकि, पर्यावरणविदों ने इस परियोजना के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया और इसके कारण मुख्यमंत्री को भी इस पर विचार करना पड़ा।

'पेन स्मारक' को लेकर चेन्नई के मरीना बीच पर एक सार्वजनिक सुनवाई आयोजित की गई। कई पर्यावरण संगठनों, कार्यकर्ताओं, मछुआरा समुदाय और कुछ विपक्षी राजनीतिक दलों ने समुद्र में पेन स्मारक के निर्माण पर कड़ी आपत्ति जताई। द्रमुक के सूत्रों ने बताया कि यह लगभग तय है कि मुख्यमंत्री स्टालिन इस परियोजना से पीछे हट जाएंगे और मरीना में कलैग्नार स्मारक के अंदर एक छोटी पेन प्रतिकृति का निर्माण कराएंगे।

रिपोर्ट के अनुसार, स्टालिन ने पहले पेन स्मारक का बचाव करते हुए कहा था कि 'करुणानिधि की कलम ने तमिल समाज का भाग्य बदल दिया था। 2024 के आम चुनाव नजदीक हैं और स्टालिन खुद को संयुक्त विपक्ष के नेता के रूप में पेश कर रहे हैं, भारी लागत और पर्यावरण प्रदूषण के जोखिम पर 'पेन स्मारक' का निर्माण उनकी छवि को धूमिल करेगा। यही कारण है कि मुख्यमंत्री स्टालिन इस परियोजना से पीछे हट रहे हैं।

कार ने महिलाओं के समूह को कुचला, तीन महिलाओं की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में विल्लुपुरम जिले में रविवार को चेन्नई-पुडुचेरी ईस्ट कोस्ट रोड पर कीझपुडुपट्टी जंक्शन रोड पर एक कार ने महिलाओं के एक समूह को कुचल दिया, जिससे तीन महिलाओं की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गईं। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि पुदुकुप्पम गांव के रहनी वाली महिलाएं मछली खरीदने के लिए इंतजार कर रही थी, तभी सुबह पांच बजे चेन्नई से पुदुचेरी की ओर जा रही तेज रफ्तार कार ने उन्हें कुचल दिया। हादसे में लक्ष्मी (45), गोविंदम्मल (50) और गंगईअम्माल (45) की मौत हो गई।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि लक्ष्मी और गोविंदाम्मल की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई, वहीं गंगईअम्मल की अस्पताल ले जाने के बाद इलाज के बिना ही मौत हो गई। घायल नयागम (45), केमलम (46) और प्रेमा (45) को एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन ने डॉक्टरों को घायलों को सर्वोत्तम उपचार प्रदान करने का निर्देश दिया है। राज्य के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने दुर्घटना पर शोक व्यक्त किया और मुख्यमंत्री जन राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिवार को दो-दो लाख रुपये, गंभीर रूप से घायल नयागाम को एक लाख रुपये और अन्य दो घायलों को 50,000 रुपये देने की घोषणा की।

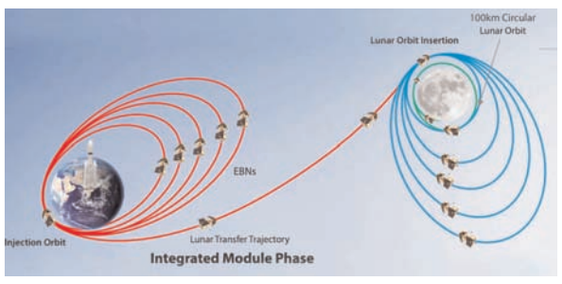

चंद्रयान -3 का पहला 'ऑर्बिट-रेजिंग का सफर' पूरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई 16 जुलाई (वार्ता) भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अद्वितीय निपुणता और कुशलता से चंद्रयान -3 को चंद्रमा की कक्षा की तरफ ले जाने का 'पहला कदम' (फर्स्ट ऑर्बिट रेजिंग मनूवर) रविवार को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया। इसरो ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर चंद्रयान-3 को लेकर ताजा जानकारी दी। उसने कहा,चंद्रयान सामान्य स्थिति में है। फ़र्स्ट ऑर्बिट-रेज़िंग का काम पूरा हो गया है। अंतरिक्ष यान अब 41762 किमी 173 किमी कक्षा में है। इसरो के वैज्ञानिकों ने चंद्रयान -3 को चंद्रमा की पहली कक्षा' में बढ़ाने की प्रक्रिया आज सफलतापूर्वक पूरी की। इस प्रकार की प्रक्रिया चार बार और की जाएगी, जिसके बाद यह चंद्रमा की कक्षा में पहुंचेगा। इसरो ने कहा,अंतरिक्ष एजेंसी 31 जुलाई तक पृथ्वी से जुड़े चार और 'अर्थ बाउंड मनूवर' करेगी जिसके बाद एक अगस्त को ट्रांस लूनर इंसर्शन होगा। मिशन चंद्रयान-3 का श्रीहरिकोटा के अंतरिक्षयान से शुक्रवार को प्रक्षेपण किया गया था।

चंद्रयान -3 के शुक्रवार को लॉन्च के साथ ही भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का तीसरा मून मिशन शुरू हुआ। चंद्रयान-3 को ले जा रहे 642 टन वजनी और 43.5 मीटर ऊंचे रॉकेट एलवीएम3-एम4 ने श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से उड़ान भरी। चंद्रयान-3 के पृथ्वी की कक्षा में पहुंचने के बाद लूनर ट्रांसफर ट्रेजेक्टरी में डाला गया। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि यह अगले 42 दिनों में 3,84,000 किमी से अधिक की दूरी तय करते हुए चंद्रमा तक पहुंच जाएगा।

इसरो के अध्यक्ष एस .सोमनाथ ने चंद्रयान-3 के प्रक्षेपण के बाद कहा था, एजेंसी 23 अगस्त को शाम पांच बजकर 47 मिनट पर चांद की सतह पर चंद्रयान-3 अंतरिक्ष यान का तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण सॉफ्ट लैंडिंग की योजना बना रही है। इसरो का चांद पर यान को 'सॉफ्ट लैंडिंग' कराने यानी सुरक्षित तरीके से यान उतारने का यह मिशन अगर सफल हो जाता है तो भारत चुनिंदा देशों की सूची में शामिल हो जाएगा। अमेरिका, तत्कालीन सोवियत संघ और चीन ने ही यह उपलब्धि हासिल की है। चंद्रयान-3 के चंद्रमा की 'सतह पर कदम' रखते ही भारत ऐसी सफलता पाने वाला चौथा देश बन जायेगा।

स्टालिन ने मदुरै में नए आईटी भवन का उद्घाटन किया

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मदुरै के वडापलंजी के एल्कोसेज़ में पिनेकल इन्फोटेक सॉल्यूशंस के एक नए सूचना प्रौद्योगिकी भवन का उद्घाटन किया। राज्य के स्वामित्व वाली इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ तमिलनाडु (ईएलसीओटी) ने मदुरै में सुविधा के लिए 34.09 एकड़ भूमि आवंटित की है। पिनेकल इन्फोटेक सॉल्यूशंस ने 1,80,000 वर्ग फुट की कुल निर्मित जगह पर निर्माण का अपना पहला चरण पूरा कर लिया है।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि 120 करोड़ रुपये का निवेश और 950 पेशेवरों के लिए रोजगार की पेशकश की गई है। यह अत्याधुनिक आईटी भवन वर्ष 2026 तक लगभग 6,000 पेशेवरों के लिए रोजगार की पेशकश करके स्थानीय समुदाय पर पर्याप्त प्रभाव पैदा करेगा, जो क्षेत्र के रोजगार परिदृश्य में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

आईटी भवन का उद्घाटन आईटी क्षेत्र के लिए एक उभरते केंद्र के रूप में मदुरै की यात्रा में एक महत्वपूर्ण क्षण का प्रतीक है, इसके अलावा क्षेत्र के तकनीकी बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना।

सवारी डिब्बा कारखाना
चेन्नै - 600038.
Azadi Ka Amrit Mahotsav

निविदा सूचना सं. सडिका/बिजली/निर्माण/2023-24 दिनांक : 17.07.2023

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से उप मुख्य बिजली इंजीनियर/अनु/शेल, सवारी डिब्बा कारखाना निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं-

निविदा सं.	कार्य का नाम	अनुमानित मूल्य (रुपए लाख में)	बयाना राशि रुपए में	निविदा बंद करने की तारीख और समय
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
2023245211151	ईएल-डब्ल्यू-861 शेल डिवीजन में 2 अदद रुफ लीक टेस्ट रिग के लिए पंप और संबंधित इलेक्ट्रिकल वर्क्स का प्रावधान	17.44	34,900/-	07.08.2023 at 15.30 hrs.

आवेदन जमा करने की वेबसाइट: www.ireps.gov.in
G20 वसुधैव कुटुम्बकम् ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

सवारी डिब्बा कारखाना
चेन्नै - 600038.
Azadi Ka Amrit Mahotsav

निम्नलिखित ई-निविदाएँ आई.आर.आई.पी.एस. वेबसाइट में प्रकाशित हैं। इच्छुक फर्मों से निवेदन है कि वे www.ireps.gov.in में लागइन कर इनके लिए कोटेशन जमा करें। मैनुअल कोटेशन पर विचार नहीं किया जाएगा।

खुली निविदा सं.	मद का संक्षिप्त विवरण	निविदा का मूल्य	निविदा	
			खोलने की तारीख/समय	बंद होने की तारीख/समय
2023499211129	आईसीएफ में अग्निशमन (फॉयर फाइटिंग) के लिए दो साल का ठेका	₹ 2,47,26,928/-	09.08.2023 14.45 बजे	09.08.2023 15.00 बजे

उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/फर
G20 वसुधैव कुटुम्बकम् ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

सवारी डिब्बा कारखाना
चेन्नै - 600038.
Azadi Ka Amrit Mahotsav

निविदा सूचना सं. 2023476211124

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से उप. मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/संयंत्र, सारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै-38 प्रतिष्ठित ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं

कार्य	शेल डिवीजन में उपलब्ध 69 ईओटी क्रेन और 3 ट्रैवर्सर के अनुरक्षण के लिए एक वर्ष की अवधि के लिए वार्षिक अनुरक्षण अनुबंध (एएमसी)
ठेके की अवधि	एक वर्ष
निविदा मूल्य (GST @18% सहित)	Rs. 2,34,12,381/- (रुपए दो करोड़ चौंतीस लाख बारह हजार तीन सौ इक्यासी (GST@18% सहित)
बयाना राशि	Rs. 2,67,100/- (रुपए दो लाख सड़सठ हजार एक सौ मात्र)
निविदा प्रलेख प्रभार	Rs. 10,000/- (रुपए दस हजार मात्र)
निविदा आमंत्रण प्राधिकारी	उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर / संयंत्र शेल डिवीजन, सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै-600 038
ई-निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तारीख और समय	02.08.2023 को 15.00 बजे तक

प्रस्ताव प्रस्तुत करने का वेबसाइट : www.ireps.gov-in
निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि अगर किसी प्रकार के संशोधन / शुद्धिपत्र जारी किए जाते हैं तो उसकी जानकारी के लिए इस वेबसाइट को नियमित रूप से देखें लें। यदि निविदा प्राप्ति और खोलने की तिथि पर बाद में अवकाश घोषित हो जाता है तो ऐसा अगले पूर्ण कार्य दिवस पर यह कार्य किया जाएगा। निविदा सूचना का हिंदी संस्करण वेबसाइट www.icf.Indianrailways.gov.in" पर उपलब्ध है।
G20 वसुधैव कुटुम्बकम् ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

चेन्नईयिन के मुख्य कोच के तौर पर प्रीमियर लीग के पूर्व मैनेजर ओवेन कोएल की वापसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नईयिन एफसी ने इंडियन सुपर लीग के 2023-24 के लिए रविवार को ओवेन कोएल के मुख्य कोच के तौर पर वापसी की घोषणा की जिनसे कई वर्षों का करार किया गया है। ओवेन इस तरह 2022-2023 सत्र के खत्म होने के बाद क्लब में थॉमस बर्डारिक की जगह लेंगे। स्कॉटलैंड के ओवेन तीन बार 'प्रीमियर लीग मैनजर ऑफ द मंथ' पुरस्कार जीत चुके हैं। वह भारतीय फुटबॉल जगत में काफी लोकप्रिय हैं और पिछली बार चेन्नईयिन एफसी को सफलता दिला चुके हैं। उनके मार्गदर्शन में क्लब 2019-20 आईएसएल के फाइनल में पहुंचा था। चेन्नईयिन के सह मालिक विटा दानी ने विज्ञप्ति में कहा, 'हम ओवेन के चेन्नईयिन क्लब में वापसी से काफी खुश हैं। वह भारत के लिए नये नहीं हैं और हम सभी देख चुके हैं कि वह यहां क्या कर सकते हैं। वह हमारी युवा टीम के मार्गदर्शन के लिए सही कोच हैं, हमें खुशी है कि उनकी वापसी हुई है।' ओवेन (57 वर्ष) ने 2021-22 में जमशेदपुर एफसी के साथ 43 अंक से आईएसएल शील्ड जीती थी। ओवेन दुनिया की शीर्ष फुटबॉल लीग में से एक इंग्लिश प्रीमियर लीग में भी कोच रह चुके हैं।

व्यापक गतिशीलता योजना तैयार करने के लिए ऑनलाइन सर्वेक्षण की योजना बनाई गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी (सीएमडीए) के नक्शेकदम पर चलते हुए, चेन्नई यूनिफाइड मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी (सीयूएमटीए) ने चेन्नई के लिए व्यापक गतिशीलता योजना (सीएमपी) तैयार करने की प्रक्रिया के दौरान, जनता की राय इकट्ठा करने के लिए एक नागरिक सर्वेक्षण करने का निर्णय लिया है।

सीएमडीए तीसरे मास्टर प्लान (टीएमपी) के लिए एक विजन दस्तावेज तैयार करने के लिए पहले से ही एक सर्वेक्षण कर रहा है। एक अधिकारी ने बताया कि योजना प्राधिकार तीसरे मास्टर प्लान पर ऑनलाइन सर्वे करा रहा है।

उन्होंने कहा कि सीएमपी के लिए भी इसी तरह का एक ऑनलाइन सर्वेक्षण आयोजित किया जाएगा। गतिशीलता योजना तैयार करने के लिए एक सलाहकार पहले ही नियुक्त किया जा चुका है और प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। सर्वेक्षण जल्द ही शुरू होगा। जनता द्वारा साझा की गई राय को योजना में शामिल किया जाएगा।

चेन्नई मेट्रोपॉलिटन एरिया में एक घरेलू सर्वेक्षण करने का भी निर्णय पहले ही लिया गया है। घरेलू सर्वेक्षण के तहत महानगर के करीब 50 हजार घरों का दौरा किया जाएगा। 50,000 घरों में से, 30,000 घर वर्तमान सीएमए सीमा में होंगे जो 1,189 वर्ग किमी तक विस्तारित है। परिवहन प्राधिकरण 25 वर्षों की अवधि के साथ 5,904 वर्ग किमी के लिए सीएमपी तैयार कर रहा है।

बेंगलूरु में होने वाली विपक्षी दलों की बैठक का कोई प्रभाव नहीं होगा : बोम्मई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। बेंगलूरु में विपक्षी दलों की बैठक से पहले, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता बसवराज बोम्मई ने रविवार को कहा कि ऐसी बैठकों का कोई राजनीतिक अर्थ नहीं है और आने वाले दिनों में ऐसी कई बैठकें हो सकती हैं, लेकिन उनका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बोम्मई ने कहा कि विपक्षी दलों के पास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा को हराने के अलावा एकजुट होने का कोई विशेष उद्देश्य नहीं है।

सत्रह और 18 जुलाई को कांग्रेस द्वारा आहूत विपक्षी दलों की बैठक के लिए 24 गैर-भाजपा दलों के नेताओं को आमंत्रित किया गया है। इस बैठक का उद्देश्य 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा से मुकाबला करना है। बोम्मई ने कहा, 'अखिल भारतीय स्तर पर कोई मजबूत विपक्षी दल नहीं है, क्षेत्रीय दल अधिक हैं, इसलिए विपक्षी दलों का एकजुट होना और उनकी बैठकें आयोजित करने का कोई राजनीतिक अर्थ नहीं है, न ही इससे (उन्हें) कोई राजनीतिक लाभ होगा।'

यहां पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मोदी और भाजपा को हराने के एकमात्र इरादे से वे एकजुट हो रहे हैं, जिससे पता चलता है कि उनके पास अपनी ताकत नहीं है। उन्होंने कहा, उनके पास एकजुट होने का कोई विशेष उद्देश्य नहीं है, उनका एकमात्र इरादा मोदी को हराना है।

उन्होंने कहा कि देश आज आर्थिक और सामाजिक रूप से प्रगति कर चुका है तथा कोविड-19 के बाद देश ने तेजी से आर्थिक सुधार किया है। उन्होंने कहा, कोविड पर नियंत्रण के बाद देश में जो विकास हुआ है, उससे मोदी को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली है। लोग अच्छी तरह जानते हैं कि देश की सुरक्षा, प्रगति, आर्थिक विकास, शिक्षा और सामाजिक विकास केवल मोदी द्वारा ही संभव है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में विपक्ष की ऐसी कई बैठकें हो सकती हैं, लेकिन इसका कोई प्रभाव नहीं होगा। कांग्रेस द्वारा बुलाई गई यह बैठक विपक्षी दलों की दूसरी ऐसी बैठक है। पहली बैठक 23 जून को बिहार के पटना में हुई थी जिसमें 15 पार्टियों ने हिस्सा लिया था।

केंद्रीय मंत्री ने मुसलमानों से यूसीसी का विरोध नहीं करने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुचेरी। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले ने रविवार को मुसलमानों से अपील की कि वे समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का विरोध न करें। बाइसवें विधि आयोग ने हाल ही में प्रस्तावित यूसीसी पर लोगों के अपने विचार भेजने की समय सीमा 28 जुलाई तक बढ़ा दी थी। पिछले महीने मध्य प्रदेश में एक जनसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूसीसी बारे में बात की थी, जिसके बाद इसपर बहस शुरू हो गई थी।

आठवले ने पुडुचेरी के दौरे पर यहां पत्रकारों से कहा, समान नागरिक संहिता (यूसीसी) मुस्लिम समुदाय के खिलाफ नहीं है और इसलिए मैं मुसलमानों से अपील करता हूं कि वे यूसीसी का विरोध न करें। यूसीसी के माध्यम से मुस्लिम और हिंदू एक साथ आएंगे।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया Union Bank of India
भारत सरकार का उपक्रम A Government of India Undertaking
आन्ध्रा Andhra कार्पोरेशन Corporation
आंचलिक कार्यालय चेन्नई
नं.139, प्रकासम सलाई, यूनियन बैंक भवन, तीसरी मंजिल, ब्रॉडवे, चेन्नई - 600108
फ़ोन : 044-23460787

निविदा आमंत्रण सूचना

अग्रणी राष्ट्रीयकृत बैंक यूनियन बैंक ऑफ इंडिया चेन्नई अंचल के चेन्नई क्लस्टर, कोयंबटूर क्लस्टर और मदुरै क्लस्टर के अंतर्गत शाखाओं/कार्यालयों के लिए डेस्कटॉप, प्रिंटर और स्कैनर के लिए पात्र वार्षिक रखरखाव अनुबंध सेवा प्रदाताओं से निर्धारित प्रारूप में मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित करता है।

क्र. सं.	विवरण	एनआईटी नं और तारीख	दस्तावेज़ मूल्य	बयाना राशि जमा (ईएमडी)
1	चेन्नई अंचल के चेन्नई क्लस्टर, कोयंबटूर क्लस्टर और मदुरै क्लस्टर के अंतर्गत शाखाओं/कार्यालयों के लिए डेस्कटॉप, प्रिंटर और स्कैनर के लिए वार्षिक रखरखाव अनुबंध।	ZO-CHN/ ZCC/008/ 2023-24 दिनांक 30.06.2023	रुपए 500/-	रुपए 30,000/-

इच्छुक निविदाकर्ता कृपया बैंक की वेबसाइट www.unionbankofindia.co.in और भारत सरकार की वेबसाइट (eprocure.gov.in) से विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना (एनआईटी) देख सकते हैं।

निविदाकर्ता दिनांक 01.08.2023, 03:00 अपराह्न तक कार्यालय समय के दौरान चेन्नई में देय यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के पक्ष में डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से दस्तावेज़ मूल्य (गैर-वापसीयोग्य) के भुगतान पर आंचलिक कार्यालय - चेन्नई, नंबर 139, प्रकासम सलाई, यूनियन बैंक भवन, जेडसीसी, तीसरी मंजिल, ब्रॉडवे, चेन्नई - 600108 से निविदा दस्तावेज प्राप्त कर सकते हैं।

उपर्युक्त अवधि के दौरान निविदा प्रपत्र बैंक की वेबसाइट www.unionbankofindia.co.in और भारत सरकार की वेबसाइट (eprocure.gov.in) पर भी उपलब्ध हैं। हालांकि, वेबसाइटों से डाउनलोड किए गए निविदा प्रपत्रों के साथ दस्तावेज़ मूल्य के रूप में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के पक्ष में चेन्नई में देय डिमांड ड्राफ्ट संलग्न होना चाहिए।

बोलीदाताओं को अपनी मुहरबंद निविदाएं विधिवत रूप से 'क्लस्टर स्थान के नाम के साथ शाखाओं/कार्यालयों के लिए डेस्कटॉप, प्रिंटर और स्कैनर के वार्षिक रखरखाव अनुबंध के लिए निविदा' आंचलिक कार्यालय चेन्नई, नंबर-139, तीसरी मंजिल, प्रकासम सलाई, यूनियन बैंक भवन, ब्रॉडवे, चेन्नई-600108 निविदा बॉक्स में 01.08.2023, अपराह्न 4:00 बजे या उससे पहले जमा करानी चाहिए।

तारीख : 15.07.2023
स्थान: चेन्नई
महाप्रबंधक
आंचलिक कार्यालय - चेन्नई

कांग्रेस की यूपीए सरकार का मतलब 'उत्पीड़न, पक्षपात और अत्याचार' : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने रविवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस की यूपीए (संप्रग) सरकार का मतलब 'उत्पीड़न, पक्षपात और अत्याचार' है और पार्टी को राजस्थान में एक मिनट भी सत्ता में रहने का अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र के साथ काम कर रही है।

जयपुर के बीलवा में कांग्रेस सरकार के खिलाफ भाजपा के 'नहीं सहेगा राजस्थान' अभियान की शुरुआत करने के बाद एक रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि अशोक गहलोत सरकार भ्रष्टाचार के नए रिकॉर्ड स्थापित कर रही है। उन्होंने कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) पर निशाना साधते हुए कहा, ''कांग्रेस के यूपीए का मतलब है उत्पीड़न, पक्षपात और अत्याचार।'' भाजपा नेता ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली राजग सरकार 'सबका साथ, सबका

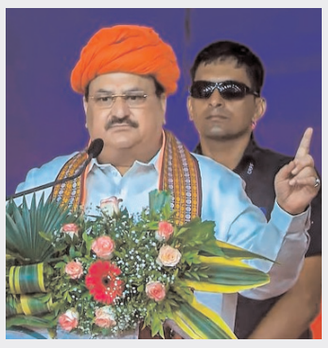

विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र के साथ काम कर रही है।'' कांग्रेस को सत्ता से बाहर करने के लिए नड्डा ने पार्टी का चुनाव अभियान 'नहीं सहेगा राजस्थान' शुरू किया। यह अभियान पूरे प्रदेश में चलाया जायेगा। राज्य में साल के अंत तक विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं।

नड्डा ने अभियान और एक 'थीम वीडियो' जारी किया, जिसमें महिलाओं के खिलाफ अपराध, उदयपुर में कन्हैया लाल की हत्या, सांप्रदायिक दंगे और अन्य मुद्दों पर प्रकाश डाला गया है। उन्होंने कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार का ''फेल कार्ड'' भी जारी किया। राजस्थान की कांग्रेस सरकार पर हमला बोलते हुए भाजपा नेता ने कहा, ''यह यूपीए की सरकार है और यूपीए क्या है... यूपीए में 'यू' का मतलब 'उत्पीड़न', 'पी' का मतलब 'पक्षपात' और 'ए' का मतलब 'अत्याचार' है इसलिए यूपीए की सरकार 'उत्पीड़न, पक्षपात और अत्याचार' करने वाली है।''

भाजपा अध्यक्ष ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह लोगों को लूटती है और उसने दलितों, आदिवासियों, महिलाओं पर अत्याचार के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिये हैं। उन्होंने आरोप लगाया, ''ऐसी सरकार को सत्ता में रहने का एक मिनट भी कोई अधिकार नहीं है। यह सरकार लूटने वाली सरकार है.. यह सरकार अत्याचार करने वाली सरकार है, यह सरकार कुशासन लाने वाली सरकार है और ऐसी सरकार को जरा भी सत्ता में रहने का अधिकार नहीं है और आने वाले नवंबर में आप इसको बाहर का रास्ता दिखायेंगे, इस बात का मुझे पूरा विश्वास है।'' नड्डा ने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार को बढ़ावा देना और भ्रष्टाचार के नए कीर्तिमान बनाना ही गहलोत सरकार का चरित्र है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य की कांग्रेस सरकार ने अपनी वोट बैंक की राजनीति के लिए पाकिस्तान से आए शरणार्थियों के घरों को बुलडोजर से ध्वस्त करने का काम किया है। नड्डा ने कहा कि 'नहीं सहेगा राजस्थान' अभियान के जरिये भाजपा दो करोड़ लोगों तक पहुंचेगी।

नड्डा के जयपुर पहुंचने पर भाजपा नेताओं ने किया स्वागत

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा के आज दोपहर जयपुर पहुंचने पर भाजपा नेताओं ने स्वागत किया। नड्डा के जयपुर हवाई अड्डे पर पहुंचने पर भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह, प्रदेश अध्यक्ष सी पी जोशी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र सिंह राठौड़ एवं उप नेता प्रतिपक्ष डा सतीश पूनियां ने उनका स्वागत किया। नड्डा विभिन्न मुद्दों को लेकर रविवार से शुरू होने वाले भाजपा के नहीं सहेगा राजस्थान आंदोलन की शुरुआत करेंगे।

मानसून में अभी तक राजस्थान के 15 जिलों में 'अतिवृष्टि'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मानसून के दौरान अभी तक राजस्थान के 33 में से 15 जिलों में 'असामान्य' बारिश हुई है। मौसम विभाग के अनुसार राज्य के किसी भी जिले में वर्षा सामान्य से कम नहीं है। हालांकि, जल संसाधन विभाग की एक रिपोर्ट के अनुसार, जैसलमेर 'अति अल्पवृष्टि' की श्रेणी में है जहां सामान्य से 60 प्रतिशत या उससे भी कम बारिश हुई है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग के वर्षा संबंधी मानदंडों के अनुसार, सामान्य से 20 प्रतिशत या इससे ज्यादा बारिश को 'अतिवृष्टि', सामान्य से 19 प्रतिशत अधिक से लेकर सामान्य से 19 प्रतिशत कम बारिश को 'सामान्य वृष्टि', सामान्य से 20 से 59 प्रतिशत तक कम बारिश को 'अल्पवृष्टि' और सामान्य से 60 प्रतिशत या इससे भी कम बारिश को 'अति अल्पवृष्टि' की श्रेणी में माना जाता है। मूसलाधार बारिश के कारण राज्य के 690 बांधों में जल भंडारण 15 जुलाई को कुल क्षमता 12580.03 एमक्यूएम का 58.09 प्रतिशत है, जो पिछले साल इसी अवधि में 43.67 प्रतिशत था।

मौसम विज्ञान विभाग के जयपुर केन्द्र द्वारा जारी अधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, राजस्थान में 15 जुलाई तक सामान्य से 80.9 फीसदी ज्यादा 'अतिवृष्टि' दर्ज की गई है। राज्य में एक जून से 15 जुलाई तक सामान्य वर्षा 146.39 मिमी है, जिसके मुकाबले इस साल राज्य में 264.75 मिमी वर्षा दर्ज की गई है, जो सामान्य से 80.9 प्रतिशत अधिक है। मौसम विभाग के अनुसार, राजस्थान के 15 जिलों-अजमेर, बाड़मेर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, जयपुर, जालौर, जोधपुर, नागौर, पाली, राजसमंद, सवाई माधोपुर, सीकर, सिरोही, टोंक और उदयपुर में 'अतिवृष्टि' दर्ज की गई है।

विभाग के अनुसार, बांसवाड़ा, बारां, बूंदी, डूंगरपुर, हनुमानगढ़ और झालावाड़ में सामान्य वर्षा दर्ज की गई है। किसी भी जिले में 'अल्पवृष्टि' (सामान्य से 20 से 59 प्रतिशत तक कम बारिश) की स्थिति नहीं है। मौसम विभाग ने सोमवार को अलवर, दौसा, जयपुर, झुंझुनू, सीकर और टोंक में भारी बारिश और मंगलवार को अलवर, बारां, दौसा में भारी बारिश का 'येलो' अलर्ट जारी किया है।

धार्मिक स्थलों के विकास के लिए प्रतिबद्ध राज्य सरकार : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने धार्मिक यात्रा को हमारे संस्कार और संस्कृति में बताते हुए कहा है कि इनसे दर्शनों के साथ श्रद्धालुओं में आपसी समन्वय, सहयोग और सद्भावना बढ़ती है। गहलोत ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए गांधी नगर रेलवे स्टेशन से कटरा मां वैष्णो देवी यात्रा के लिए जाने वाले दूदू के श्रद्धालुओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भी इसी मूल भावना के अनुरूप वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना में प्रदेश के वरिष्ठ नागरिकों को निःशुल्क तीर्थ यात्राएं करा रही है।

उन्होंने श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य सरकार वरिष्ठ नागरिकों को तीर्थ स्थलों की यात्रा कराने के लिए संकल्पित है। उन्होंने कहा कि दूदू विधायक बाबूलाल नागर द्वारा अपने खर्च पर 1200 श्रद्धालुओं को स्पेशल ट्रेन से यात्रा कराना बड़ी और प्रेरणास्त्रोत पहल है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अगस्त, 2013 में वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना की शुरूआत की गई थी। उस समय 41 हजार 390 यात्रियों को विभिन्न स्थलों पर दर्शन कराए गए जबकि गत सरकार द्वारा वर्ष 2013 से 2018 में सिर्फ 47 हजार 742 यात्रियों को ही तीर्थ यात्रा कराई गई। हमने नए तीर्थ स्थल जोड़कर इसे आगे बढ़ाया। अब तक 1.25 लाख से अधिक यात्रियों को दर्शन कराया जा चुका है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के वरिष्ठजनों में योजना को लेकर अपार उत्साह है। इनकी भावनाओं के अनुरूप वित्त वर्ष 2023-24 में 40 हजार यात्रियों को यात्रा कराने का लक्ष्य रखा गया है। इस सत्र की पहली ट्रेन 14 जून को जयपुर और कोटा से रामेश्वरम-मदुरई के लिए रवाना की गई थी।

गहलोत ने कहा कि हमने इस साल बजट में अयोध्या, वैद्यनाथ, त्रयम्बकेश्वर नासिक और सम्मेद शिखर को भी सूची में जोड़ा है। कोरोना काल में वंचित एक लाख यात्रियों को भी तीर्थ दर्शन कराए जाएंगे।

राज्य सरकार तीर्थ यात्रियों के आवागमन, भोजन, आवास, चिकित्सा सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि तीर्थ स्थलों के विकास और विस्तार के लिए राज्य सरकार कृतसंकल्पित है। जयपुर के गोविंद देव जी मंदिर में 100 करोड़ रुपए और खाटूश्याम जी मंदिर में 32 करोड़ रुपए की लागत से भव्य कॉरिडोर बनाया जाएगा। गत साढ़े चार साल में 100 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्य कराए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा पुजारियों के मानदेय को बढ़ाया गया है। प्रदेश के 593 मंदिरों में आरती, साज-सज्जा के लिए प्रति मंदिर एक लाख रुपए दिए गए हैं। अब देवस्थान विभाग द्वारा हर संभाग में देवदर्शन पदयात्रा निकाली जा रही है।

गहलोत ने दी महिला सेंट्रल पाइप बैंड के गठन सहित विभिन्न प्रस्तावों को मंजूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पुलिस में महिला सेंट्रल पाइप बैंड का गठन ,बीकानेर का गुसाईसरबडा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में क्रमोन्नत एवं संचालन के लिए 14 नवीन पदों की स्वीकृति तथा 20 राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालयों में 200 पदों का सृजन करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। गहलोत ने राजस्थान पुलिस अकादमी में बैंड गठन करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इस बैंड के लिए 11 नवीन पद सृजित होंगे। नवीन पदों में प्लाटून कमाण्डर (बैण्ड) का 1 पद, हैड कॉन्स्टेबल (बैण्ड) का 1 पद तथा कॉन्स्टेबल (बैण्ड) के 9 पद हैं। उल्लेखनीय है कि

गहलोत ने 22 मार्च 2023 को पुलिस अकादमी में आरपीएस प्रशिक्षुओं (53वां बैच) के दीक्षांत परेड समारोह में महिला पाइप बैंड गठन किए जाने की घोषणा की थी।

बीकानेर जिले की पंचायत समिति श्रीडूंगरगढ़ का गुसाईसरबडा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में क्रमोन्नत होगा और गहलोत ने इस संबंध के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इसके संचालन के लिए 14 पदों के सृजन को स्वीकृति भी दी है। नवीन पदों में वरिष्ठ चिकित्साधिकारी, चिकित्साधिकारी, नर्स श्रेणी-प्रथम, सहायक रेडियोग्राफर, कनिष्ठ/वरिष्ठ सहायक के एक-एक पद, नर्स श्रेणी-द्वितीय के 4 और कनिष्ठ विशेषज्ञ के 2 सहित कुल 14 पद है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री द्वारा 29 अप्रेल 2023 को बीकानेर प्रवास के दौरान इस संबंध में घोषणा की गई थी।

इसी तरह मुख्यमंत्री ने महाविद्यालय संचालन के लिए 200 पदों के सृजन के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है। प्रत्येक राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय हेतु प्राचार्य शास्त्री का एक पद, सहायक आचार्य के 5 पद, पुस्तकालयाध्यक्ष, शारीरिक प्रशिक्षक अनुदेशक, कनिष्ठ सहायक तथा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी का एक-एक पद (कुल 10 पद) सृजित किया जाएगा। इस प्रकार 20 महाविद्यालयों के लिए कुल 200 पद सृजित किए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री द्वारा वर्ष 2023-24 के बजट में इस संबंध में घोषणा की गई थी।

पिता ने प्रेम संबंध के संदेह में अपनी बेटी की गला दबाकर हत्या की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में रविवार को एक व्यक्ति ने प्रेम संबंध के संदेह में अपनी बेटी की कथित तौर पर गला दबाकर हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि घटना सूरतगढ़ सदर थाना इलाके की है जहां गोमे खान अपनी बेटी छिन्नो बानो (22) के कमरे में गया और उसका गला घोंट दिया। पुलिस के सहायक उपनिरीक्षक सोहनलाल ने बताया कि गोमे खान अपनी बेटी पर प्रेम प्रसंग होने का संदेह करता था। वह आज तड़के उसके कमरे में गया जहां वह पढ़ाई करती थी और उसका गला घोंट दिया।

उन्होंने बताया, आरोपी पिता ने फिर अपने भाई को घटना के बारे में सूचित किया जिसके बाद एक स्थानीय सरपंच और पुलिस को सूचित किया गया।

आरोपी फरार हो गया और उसकी तलाश की जा रही है।' अधिकारी ने बताया कि शव को मेडिकल बोर्ड ने पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय अस्पताल के शवगृह में भेज दिया है। आरोपी की तलाश की जा रही है।

बस की चपेट में आने से योग शिक्षक की मौत

जयपुर/दक्षिण भारत। जयपुर के विश्वकर्मा थाना क्षेत्र में एक योग शिक्षक रविवार सुबह एक तेज रफ्तार बस की चपेट में आ गया, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। थाना प्रभारी नारायण सिंह ने बताया कि हादसा उस समय हुआ, जब योग शिक्षक नरेंद्र कुमार गौतम (58) अंबाबाड़ी में अपने योग केंद्र जा रहे थे। सिंह के मुताबिक, विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार बस ने सड़क के डिवाइडर को तोड़ते हुए गौतम को कुचल दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

न्याय से वंचित महिलाओं के यहां पहुंचकर उनके हक की लडाई लडे महिला मोर्चा : सीपी जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। महिला मोर्चा की नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष रक्षा भंडारी ने रविवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में कार्यभार ग्रहण किया। कार्यभार ग्रहण समारोह में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, प्रदेश सह-प्रभारी विजया राहटकर, महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पूजा कपिल मिश्रा और महिला मोर्चा की पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एंव पूर्व महिला आयोग अध्यक्ष तारा भंडारी उपस्थित रही।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि महिला मोर्चा आगामी विधानसभा चुनावों में प्रदेश की नाकारा गहलोत सरकार को उखाड फेंकने में अहम भूमिका निभाएगा। महिला मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष रक्षा भंडारी को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई देते हुए कहा कि पांच महत्वपूर्ण विषयों पर आपको ध्यान देना होगा। जिसमें संगठन की पूर्व पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को साथ लेकर प्रदेश की मौजूदा समस्याओं पर संगठित होकर काम करना। रक्षाबंधन पर्व पर सामूहिक रूप से भाईयों को राखी बांधकर प्रदेश की तमाम महिलाओं की सुरक्षा का संकल्प दिलाना।

महिलाओं, वंचितों और पीडित लोगों के लिए संचालित एनजीओ से संपर्क साधकर सभी विषयों पर काम करना। सभी जिलों में पीडितों को न्याय दिलाने के लिए जिला स्तर पर मुहिम चलाना प्रेसवार्ता आयोजित करना। इसके अलावा प्रदेश में 19 ऐसी शीटे हैं, जहां भाजपा लगातार पिछड रही हैं। उन सभी शीटों पर महिला मोर्चा की टीम के साथ मिलकर काम करना।

सीपी जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंन्द्र मोदी ने महिलाओ के लिए पीएम आवास योजना, स्वच्छ भारत के तहत शौचालय, उज्ज्वला योजना, बेटी बचाओ, बेटी पढाओ और सुकन्या समृद्धि योजना जैसी सौगातें दी हैं।

प्रदेश सह प्रभारी विजया राहटकर ने कहा कि भाजपा व्यक्तिवादी पार्टी नहीं है, भाजपा सबको साथ लेकर चलने वाली पार्टी है। संगठन में नई टीमें बनना परंपरा और प्रक्रिया का हिस्सा हैं। नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष रक्षा भंडारी को अपनी टीम के साथ आगामी विधानसभा चुनाव 2023 और लोकसभा चुनाव 2024 के लिए जुट जाना चाहिए।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने पेपरलीक, भ्रष्टाचार मामलों में प्रदेश कांग्रेस सरकार पर हमला बोला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने रविवार को राजस्थान में प्रश्न पत्र लीक होने की घटनाओं और

एक प्रतियोगी परीक्षा पास कराने के बदले 18.50 लाख रुपये लेने के आरोपी कांग्रेस के पूर्व नेता की गिरफ्तारी को लेकर कांग्रेस सरकार पर हमला बोला। पूनावाला ने कहा कि प्रश्नपत्र लीक करने वालों को कांग्रेस सरकार संरक्षण देती है। राज्य घुमंतू जाति कल्याण बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष गोपाल केसावत और तीन अन्य को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने शनिवार को राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) द्वारा आयोजित कार्यकारी अधिकारी की परीक्षा पास कराने के एवज में 18.50 लाख रुपये की रिश्वत राशि के साथ गिरफ्तार किया था।पूनावाला ने कहा उन्हें भर्ती के लिए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया था। इससे साबित होता है कि राजस्थान में प्रश्न पत्र लीक होने की घटनाएं राज्य प्रायोजित है। उन्होंने गांधी परिवार पर परोक्ष हमला बोलते हुए कहा 'आज पता चला है कि इस प्रश्नपत्र लीक कांड के मुख्य आरोपी को बचाने के लिए 'प्रथम परिवार' के करीबी वकीलों को भी दिल्ली भेजा जा रहा है।' .

पूनावाला ने कहा 'गोपाल केसावत राजस्थान में कांग्रेस के कद्दावर नेता हैं। उन्हें अशोक गहलोत का करीबी माना जाता है। उनके पास राज्य मंत्री का दर्जा था और उन्हें भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी के करीब भी देखा गया था।' उन्होंने कहा कि राजस्थान में प्रश्न पत्र लीक होने की 15-16 से अधिक घटनाएं सामने आई हैं और कांग्रेस प्रश्न लीक करने वालों को संरक्षण देती है। उन्होंने कहा, 'राजस्थान में इस तरह के घोटाले लगातार जारी हैं।' गोपाल केसावत कांग्रेस सरकार के पिछले कार्यकाल (2003-2013) के दौरान राज्य घुमंतु जाति कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष थे।

हरियाव-जसपुर लाईमस्टोन ब्लॉक की प्रीमियम दर पर हुई सफल नीलामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उदयपुर के हरियाव-जसपुर लाईमस्टोन ब्लॉक माइनिंग लीज की प्रीमियम दर पर सफल नीलामी से विभाग उत्साहित है तो सीकर के न्योराना-धांधेला आयरन ओर ब्लॉक के कंपोजिट लाइसेंस पर नीलामी भी प्रीमियम दर पर होने के साथ ही वित्तीय वर्ष में दो ब्लॉकों की सफल नीलामी हो गई है। अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम श्रीमती वीनू गुप्ता ने बताया कि हरियाव-जसपुर लाईमस्टोन ब्लॉक माइनिंग लीज की ई-नीलामी 134.95 प्रतिशत प्रीमियम पर होने के साथ ही प्रदेश को 50 सालों में साढ़े पांच हजार करोड़ रु. से अधिक की राशि राजस्व के रूप में प्राप्त होगी। उन्होंने बताया कि गत वित्तीय वर्ष में प्रदेश में सर्वाधिक 8 मेजर मिनरल माइंस की एमएल और सीएल की सफल नीलामी हुई थी।

अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस वं पेट्रोलियम श्रीमती गुप्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा प्रदेश में खनिज खोज और खनन कार्य को गति देने के निर्देशों के क्रम में विभाग द्वारा एक्सप्लोरेशन और ब्लॉक्स बनाकर पारदर्शी व्यवस्था से नीलामी पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा इस साल मेजर मिनरल ब्लॉकों की नीलामी का नया रेकार्ड बनाने का रोडमैप बनाकर चरणवद्ध तरीके से भारत सरकार के ई-प्लेटफार्म पर नीलामी की जा रही है। उन्होंने बताया कि इस समय भी आधा दर्जन से अधिक मेजर मिनरल ब्लॉकों की ई नीलामी की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने बताया कि इस वित्तीय वर्ष की पहली ही नीलामी अच्छे प्रीमियम दर पर होने से विभाग उत्साहित है। नागौर के 7 लाईमस्टोन ब्लॉक व 1 आयरन ओर ब्लॉक की ई-नीलामी प्रक्रिया भारत सरकार के ई-पोर्टल पर जारी है।

राजग में शामिल हुई ओबीसी नेता राजभर की पार्टी सुभासपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/लखनऊ/भाषा। आगामी लोकसभा चुनावों से पहले छोटे-छोटे दलों को साधने की कोशिश में जुटी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को रविवार को एक और सफलता मिली। उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से ताल्लुक रखने वाले ओम प्रकाश राजभर के नेतृत्व वाली सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल हो गई। राजभर के राजधानी दिल्ली में भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलने के बाद यह घोषणा की गई।

शाह ने एक ट्वीट में कहा, ओम प्रकाश राजभर से दिल्ली में भेंट हुई। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन से जुड़ने का निर्णय लिया है। मैं राजग परिवार में उनका स्वागत करता हूं। इसके साथ ही शाह ने इस मुलाकात की एक तस्वीर भी साझा की। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि राजभर के आने से उत्तर प्रदेश में राजग मजबूत होगी और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में गठबंधन द्वारा गरीबों व वंचितों के कल्याण के लिए किए जा रहे प्रयासों को और बल मिलेगा।

राजभर ने एक ट्वीट में कहा, 'भाजपा और सुभासपा साथ आए। सामाजिक न्याय, देश की रक्षा-सुरक्षा, सुशासन और वंचितों, शोषितों, पिछड़ों, दलितों, महिलाओं, किसानों, नौजवानों तथा हर कमजोर वर्ग को सशक्त बनाने के लिए भारतीय जनता पार्टी और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी मिलकर लड़ेंगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली में शाह से भेंट हुई और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाले राजग में शामिल होने का निर्णय लिया। राजभर ने उत्तर प्रदेश का पिछला विधानसभा चुनाव समाजवादी पार्टी (सपा) के साथ गठबंधन में लड़ा था, लेकिन उम्मीद के मुताबिक सफलता न मिलने के बाद वह सपा से अलग हो गए थे। उन्होंने पिछले साल राष्ट्रपति चुनाव में राजग उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू का समर्थन किया था।

राजभर की पार्टी ने वर्ष 2017 का उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव भाजपा के साथ मिलकर लड़ा था। सरकार बनने पर राजभर को कैबिनेट मंत्री बनाया गया था, लेकिन बाद में उन्होंने गठबंधन से नाता तोड़ लिया था। ओम प्रकाश राजभर का विशेष रूप से राजभर समुदाय के बीच प्रभाव है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में इस समुदाय की अच्छी खासी तादाद है। खासतौर से गाजीपुर, बलिया, मऊ, आजमगढ़, अंबेडकरनगर, जौनपुर, चंदौली, वाराणसी, देवरिया, संत कबीर नगर, कुशीनगर, गोरखपुर, बस्ती और बहराइच समेत कई जिलों में राजभर मतदाताओं का प्रभाव माना जाता है।

समाजवादी पार्टी का किसी के साथ गठबंधन टिक नहीं सकता है : ओमप्रकाश राजभर

लखनऊ/भाषा। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने राजग में शामिल होने के बाद रविवार को दावा किया कि सपा का किसी के साथ गठबंधन टिक नहीं सकता है और अभी बहुत से लोग सपा छोड़कर राजग में शामिल होंगे। लखनऊ में जारी एक बयान में सुभासपा अध्यक्ष ने कहा कि सपा का किसी से गठबंधन टिक ही नहीं सकता है। कांग्रेस और बसपा के साथ ही सुभासपा के साथ हुए सपा के पूर्व गठबंधन का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव की स्थिति नवासा (ससुराल की संपत्ति) पाने वाले व्यक्ति जैसी हो गई है, जो चाहता है कि गांव में सब कुछ उसी के पास रहे। राजभर ने कहा कि सामाजिक न्याय, देश की रक्षा-सुरक्षा और सुशासन के साथ-साथ वंचितों, शोषितों, पिछड़ों, दलितों, महिलाओं, किसानों, नौजवानों और हर कमजोर वर्ग को सशक्त बनाने के लिए भाजपा और सुभासपा मिलकर 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ेंगे।

चंद्रयान-3 की सफलता पूरी मानवता के लिए शुभ संकेत : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

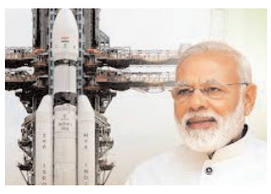

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि चंद्रयान-3 की सफलता पूरी मानवता के लिए शुभ संकेत है। मोदी ने चंद्रमा पर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की तीसरी महत्वकांक्षी परियोजना के लिए शुभकामनाएं देने के वास्ते भूटान के अपने समकक्ष लोटे शेरिंग का शुक्रिया अदा किया।

इसरो ने शुक्रवार को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से चंद्रयान-3 का प्रक्षेपण किया, जिसका लक्ष्य चंद्रमा की सतह पर 'सॉफ्ट लैंडिंग' की दुर्लभ उपलब्धि हासिल करना है। भूटान के प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया, मैं चंद्रयान-3 के सफल प्रक्षेपण को लेकर इसरो और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तरह ही बेहद खुश हूं। यह क्षितिज से परे विज्ञान को समझने और कुछ नया सीखते रहने की आपकी दृष्टि एवं प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। शेरिंग ने कहा, भारत और मानवता को इस मिशन से अत्यधिक लाभ हो। अपने भूटानी समकक्ष के ट्वीट पर प्रतिक्रिया देते हुए मोदी ने लिखा, महामहिम, आपके गर्मजोशी भरे शब्दों के लिए धन्यवाद। चंद्रयान की सफलता यकीनन पूरी मानवता के लिए शुभ संकेत है।

लोकसभा चुनाव से पहले ओबीसी और दलितों को साधने में जुटी भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। उत्तर प्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के नेता ओम प्रकाश राजभर का भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खेमे में शामिल होना हिंदीभाषी क्षेत्र में वंचित जातियों के बीच अपनी उपस्थिति बढ़ाने के सत्तारूढ़ दल के प्रयासों को रेखांकित करता है। वह भी ऐसे समय में, जब विपक्ष 2024 के लोकसभा चुनावों में उसे घेरने के लिए ओबीसी जनगणना सहित कई मुद्दों पर जोर दे रहा है।

राजभर का राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल होना यह दर्शाता है कि जातिगत जनगणना की कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों की मांग के मद्देनजर भाजपा ने भी जवाबी कदम उठाना आरंभ कर दिया है। केंद्र सरकार ने अब तक ओबीसी जनगणना की मांग पर चुप्पी साध रखी है। यह समुदाय मतदाताओं का सबसे बड़ा वर्ग है। 2014 के बाद से प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सत्तारूढ़ भाजपा के लिए यह वर्ग प्राथमिकता में रहा है। छोटे दलों का प्रतिनिधित्व करने वाले और एक विशेष पिछड़ी या दलित जाति का प्रतिनिधित्व करने वाले कई नेताओं ने हाल के महीनों में भाजपा नीत राजग का रुख किया है। दरअसल, गठबंधन के मामले में भाजपा विपक्षी दलों से पिछड़ रही थी, इसलिए वह राजग को मजबूत करने की कोशिशों में जुटी हुई है।

पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार कुछ महीनों की मेहमान रह गई है : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भाजपा ने पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर हमले तेज करते हुए रविवार को कहा कि ममता बनर्जी नीत सरकार कुछ महीनों की मेहमान रह गई है। उत्तर 24 परगना जिले में अपने बनगांव लोकसभा क्षेत्र में पार्टी के एक कार्यक्रम में भाजपा के सांसद शांतनु ठाकुर ने कहा कि टीएमसी सरकार पांच महीने से ज्यादा नहीं टिक पाएगी।

केंद्रीय जहाजरानी राज्य मंत्री ठाकुर ने कहा, ममता बनर्जी सरकार ने अपनी सार्थकता खो दी है। अगर टीएमसी ने हाल ही में संपन्न पंचायत चुनावों में व्यापक धांधली का सहारा नहीं लिया होता, तो भाजपा को हजारों और सीट पर जीत मिलती। लेकिन टीएमसी सरकार की देखरेख में यह आखिरी चुनाव होने जा रहा है, जहां एसईसी समेत राज्य की सारी मशीनरी तटस्थ और निष्पक्ष भूमिका निभाने में विफल रही है। मुझे लगता है कि यह सरकार 5 महीने से ज्यादा नहीं रहेगी। प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने पार्टी के पंचायत चुनाव प्रदर्शन की समीक्षा से संबंधित एक संगठनात्मक बैठक में भाग लेने के बाद कहा, किसी भी समय कुछ भी हो सकता है। देखते हैं क्या होता है। उन्होंने कहा, कौन जानता है कि टीएमसी के कुशासन और आतंक के खिलाफ लोगों का विद्रोह हो जाए। कौन जानता है कि टीएमसी विधायक अचानक ममता बनर्जी के निर्देशों का पालन करने से इनकार कर दें।

यमुना में बाढ़: भाजपा ने आप पर लापरवाही का आरोप लगाया

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई ने रविवार को इस बारे में न्यायिक जांच कराने की मांग की कि शहर की आप सरकार ने यमुना से गाद और नालों की सफाई कराई है या नहीं, और अगर कराई है तो इस पर कितना धन खर्च हुआ है। भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि केजरीवाल सरकार ने यमुना और नालों से गाद की सफाई नहीं कराई और इसी कारण से दिल्ली में बाढ़ आई है।

सचदेवा ने कहा, 'हम इसकी न्यायिक जांच कराने की मांग करते हैं कि केजरीवाल सरकार ने यमुना और नालों से गाद निकलवाई है या नहीं और अगर ऐसा हुआ है तो इस पर कितना खर्च हुआ है।

बाढ़ के लिए आप सरकार के भ्रष्टाचार और लापरवाही को जिम्मेदार बताते हुए सचदेवा ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल नीत बाढ़ नियंत्रण संबंधी सर्वोच्च समिति की पिछले दो साल में कोई बैठक नहीं हुई है।

भाजपा के विधि प्रकोष्ठ की सह-समन्वयक बांसुरी स्वराज ने दिल्ली की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर आरोप लगाया कि वह बाढ़ से निपटने में अपनी असफलताओं पर झूठ का पर्दा डालने की कोशिश कर रही है।

सबकी समस्या का निस्तारण सरकार की प्राथमिकता : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में 400 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और कहा कि सबकी समस्या का निस्तारण करना उनकी प्राथमिकता है।

गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन में आदित्यनाथ ने एक-एक कर सभी लोगों से मुलाकात की। उन्होंने अधिकारियों को सभी प्रार्थना पत्र देते हुए कहा कि वे समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक निस्तारण सुनिश्चित करें। आदित्यनाथ ने सभी फरियादियों को समस्या निस्तारण का भरोसा देते हुए कहा कि उनके रहते किसी की चिंता करने या परेशान होने की जरूरत नहीं है। सबकी समस्या पर प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित कराई जाएगी। जनता दर्शन में कई लोग गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूरी करके शासन को भेजें। इलाज के लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने लोगों को आश्वस्त किया कि धन के अभाव में किसी का इलाज बाधित नहीं होगा।

मणिपुर में उखाड़े गए बिजली के खंभों और पाइप से हथियार बनाए गए

सुगनू (मणिपुर)/भाषा। मणिपुर में पुलिस शस्त्रागार से लूटे गए हथियार बरामद करने के लिए सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान चलाया और उस दौरान जब्त किए गए हथियारों में एक बड़ा हिस्सा ऐसे हथियारों का था जिन्हें उखाड़े गए बिजली के खंभों या गैल्वनाइज्ड लोहे (जीआई) की पाइप से बनाया गया था। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। अधिकारियों ने बताया कि ऐसे हथियारों के अलावा, झड़प में शामिल पर्वतीय इलाकों के समूहों के हथियारों में एके राइफल और इंसास राइफल जैसे अन्य नियमित हथियार भी हैं। दक्षिणी मणिपुर के काकचिंग जिले में स्थित इस शहर के अधिकारियों ने नाम गुप्त रखने की शर्त पर बताया कि इस पर्वतीय समुदाय के लोग पारंपरिक रूप से शिकारी होते हैं और उनमें घातक हथियार बनाने की क्षमता होती है। हाल ही में, यहां के दूरदराज के गांवों के साथ-साथ पड़ोसी चुराचांदपुर जिले में भी कुछ बिजली के खंभे गायब मिले थे जबकि पानी के पाइप उखड़े हुए देखे गए थे।

धन की कमी से जूझ रहे अयोध्या मस्जिद निर्माण ट्रस्ट ने बदली रणनीति : अब टुकड़ों में कराएगा काम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद मामले में उच्चतम न्यायालय के ऐतिहासिक फैसले के बाद अयोध्या के धन्नीपुर में मिली जमीन पर मस्जिद, अस्पताल और सामुदायिक रसोई समेत एक वृहद परियोजना के निर्माण की जिम्मेदारी संभाल रहे 'इंडो-इस्लामिक कल्चरल फाउंडेशन ट्रस्ट' ने धन के अभाव के चलते अपनी रणनीति में बदलाव किया है।

ट्रस्ट अब मस्जिद समेत इस परियोजना से संबंधित अन्य इमारतों का निर्माण टुकड़ों में कराएगा। उसने पूर्व में इस परियोजना की शुरुआत मस्जिद के बजाय अस्पताल के निर्माण से करने का फैसला किया था, लेकिन इस पूरी परियोजना को एक साथ शुरू करने के वास्ते डेवलपमेंट चार्ज समेत करोड़ों रुपए बतौर शुल्क चुकाने पड़ेंगे, जिसके लिए ट्रस्ट के पास धन नहीं है। यही कारण है कि ट्रस्ट ने अपनी रणनीति में बदलाव करते हुए टुकड़ों में काम कराने का निर्णय लिया है। 'इंडो-इस्लामिक कल्चरल फाउंडेशन ट्रस्ट' के सचिव एवं प्रवक्ता अतहर हुसैन ने रविवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया, धन की कमी की वजह से अभी हमने परियोजना को रोक रखा है। इस मुश्किल के बावजूद हम इस परियोजना को बंद नहीं करेंगे, बल्कि रणनीति में बदलाव करते हुए उसे छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर काम करेंगे। हुसैन ने कहा, अब हम अस्पताल के बजाय सबसे पहले नए सिरे से मस्जिद का नक्शा अयोध्या विकास प्राधिकरण में जमा करेंगे। मस्जिद के निर्माण में अपेक्षाकृत काफी कम धन खर्च होगा, जिसका इंतजाम करना आसान रहेगा। उन्होंने कहा, हम पहले मस्जिद बनाएंगे, क्योंकि मस्जिद बहुत छोटी है और हर आदमी इस परियोजना को मस्जिद के नाम से ही जानता है। इसलिए ट्रस्ट अब मस्जिद के निर्माण को प्राथमिकता दे रहा है।हुसैन ने बताया, मस्जिद निर्माण की लागत इस पूरी परियोजना की कुल लागत का पांच फीसद हिस्सा भी नहीं है। करीब 15,000 वर्ग फीट क्षेत्र में बनने वाली इस मस्जिद के निर्माण पर आठ से 10 करोड़ रुपए खर्च होंगे। मस्जिद की बिजली संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति सौर पैनल से होगी, जो इसके गुंबद पर लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा, हमारी कोशिश थी कि मस्जिद से पहले अस्पताल का निर्माण कराया जाए, लेकिन यह 300 करोड़ रुपए की महत्वाकांक्षी परियोजना है। जहां मस्जिद का निर्माण प्रस्तावित है, वहां पहले से ही कई मस्जिदें हैं। ऐसे में हमारी सोच थी कि पहले एक चैरिटी अस्पताल और सामुदायिक रसोईघर बनाया जाए, लेकिन इन परियोजनाओं के लिए बहुत बड़ी रकम की जरूरत है, जो फिलहाल ट्रस्ट के पास नहीं है।

असम के सीएम के 'मियां' वाले बयान पर छिड़ा विवाद, विपक्ष ने दी तीखी प्रतिक्रिया

गुवाहाटी/भाषा। असम के सबसे बड़े शहर गुवाहाटी में सब्जियों की कीमतों में वृद्धि को लेकर राजनीतिक विरोधियों के बीच जुबानी जंग छिड़ गई है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बढ़ते दामों के लिए 'मियांओं' को जिम्मेदार बताया, जिस पर विरोधी दलों ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की।

ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के प्रमुख बदरुद्दीन अजमल ने कहा कि मुख्यमंत्री की टिप्पणी से 'मियां' आहत हुए हैं। वहीं, कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने भाजपा तथा एआईयूडीएफ पर अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले मिलीभगत करके सांप्रदायिक राजनीति करने का आरोप लगाया।

शर्मा ने गुवाहाटी में सब्जियों की ऊंची कीमत पर पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा था, गांवों में सब्जियों की कीमत इतनी अधिक नहीं होती। यहां मियां विक्रेता हमसे अधिक दाम लेते हैं। अगर सब्जी बेचने वाले असमिया होते, तो वे अपने ही लोगों को नहीं लूटते। मैं गुवाहाटी के सभी फुटपाथ को साफ कर दूंगा। मैं असमिया लोगों से आगे आने और व्यवसाय शुरू करने का आग्रह करता हूं।

किसान भारत की ताकत हैं : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि किसान भारत की ताकत हैं और ''अगर हम उनकी बात सुनें और उनकी बात समझें तो देश की कई समस्याओं का समाधान किया जा सकता है।

गांधी ने आठ जुलाई को हरियाणा के सोनीपत के मदीना गांव में धान के खेतों की अपनी यात्रा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया। करीब 12 मिनट के वीडियो में गांधी किसानों और उनके परिवारों के साथ बातचीत करते, खेतों की जुताई करते, धान के पौधे रोपते और बाद में किसानों के साथ खाना खाते हुए दिखे हैं। कांग्रेस नेता ने लघु वीडियो साझा करते हुए ट्वीट किया, 'किसान हैं भारत की ताकत। सोनीपत, हरियाणा में मेरी मुलाकात दो किसान भाइयों, संजय मलिक और तसबीर कुमार से हुई। वो बचपन के जिगरी दोस्त हैं, जो कई सालों से एक साथ किसानी कर रहे हैं। गांधी ने ट्वीट में कहा, 'उनके साथ मिल कर खेतों में हाथ बटाया, धान बोया, ट्रैक्टर चलाया और दिल खोल कर कई बातें हुईं। गांव की महिला किसानों ने अपने परिवार की तरह प्यार और सम्मान दिया और घर की बनी रोटियां खिलाईं। कांग्रेस नेता ने कहा, 'भारत के किसान सच्चे और समझदार हैं। अपनी मेहनत भी जानते हैं, अपने अधिकार भी पहचानते हैं। जरूरत आने पर काले कानूनों के खिलाफ डट जाते हैं, तो साथ में एमएसपी और बीमा की सही मांग भी उठाते हैं। अगर हम उन्हें सुनें, उनकी बात समझें, तो देश की कई समस्याएं भी सुलझ सकती हैं। कांग्रेस ने ट्वीट किया, 'भारत को एकजुट करने में किसानों का बड़ा योगदान है- उनका उगाया हुआ अनाज देश की हर थाली का हिस्सा है, लेकिन उनकी तपस्या का सही फल और सम्मान नहीं मिलता है।

पश्चिम बंगाल में भाजपा कार्यकर्ता का शव फंदे से लटका मिला

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक बुजुर्ग कार्यकर्ता का शव उसके घर में फांसी पर लटका पाया गया जिसके बाद ग्रामीणों के एक वर्ग ने प्रदर्शन किया और तृणमूल कांग्रेस के स्थानीय नेताओं पर आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया। पुलिस ने बताया कि 62 वर्षीय बूरन मुर्मू बामनगोला में अपने कमरे में फांसी से लटका पाया गया। उन्होंने बताया कि वह अपने बेटे और बहू के साथ इसी घर में रहता था। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि मुर्मू की बहू ने टीएमसी की टिकट पर हाल में पंचायत चुनाव लड़ा था लेकिन वह भाजपा उम्मीदवार से हार गई जिसके बाद बूरन से उसके बेटे तथा टीएमसी के अन्य समर्थकों ने मारपीट की। पुलिस ने बताया कि मुर्मू के बेटे बिप्लब से पूछताछ की जाएगी। मालदा उत्तर से भाजपा सांसद खागेन मुर्मू ने आरोप लगाया कि बूरन की बहू टीएमसी की टिकट पर ग्राम पंचायत की एक सीट पर चुनाव हार गई थी जिसके बाद टीएमसी के समर्थकों ने बूरन को प्रताड़ित किया। उन्होंने कहा कि बूरन इलाके में एक सक्रिय 'कार्यकर्ता' था और लंबे वक्त से बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत बनाने में लगा हुआ था। वहीं, भाजपा पर मृतक लोगों पर राजनीति करने का आरोप लगाते हुए टीएमसी के वरिष्ठ नेता कृष्णेंदु नारायण चौधरी ने कहा कि पोस्टमार्टम से मौत के पीछे की असली वजह का पता चलेगा।

दक्षिण क्षेत्र ने पश्चिम क्षेत्र को 75 रन से हराकर दलीप ट्रॉफी जीती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। दक्षिण क्षेत्र ने अपना दबदबा कायम रखते हुए रविवार को यहां पश्चिम क्षेत्र को 75 रन से करारी शिकस्त देकर दलीप ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब जीता। पश्चिम क्षेत्र ने 298 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पांचवें दिन सुबह अपनी दूसरी पारी पांच विकेट पर 182 रन से आगे बढ़ाई और उसकी टीम 222 रन बनाकर आउट हो गई। दक्षिण क्षेत्र की तरफ से बाएं हाथ के स्पिनर साईं किशोर और तेज गेंदबाज वासुकी कौशिक ने चार चार विकेट लिए।

दक्षिण क्षेत्र में 14वीं बार दलीप ट्रॉफी का खिताब जीता है। इससे उसने पश्चिम क्षेत्र से पिछले साल मिली हार का बदला भी चुकता कर दिया। पिछले साल फाइनल में पश्चिम क्षेत्र ने दक्षिण क्षेत्र को 294 रन से हराया था।

प्रियांक पंचाल ने सुबह अपनी पारी 92 रन से आगे बढ़ाई लेकिन वह इसमें केवल तीन रन जोड़कर पवेलियन लौट गए। उन्होंने तेज गेंदबाज विदवथ कावेरप्पा की गेंद पर विकेटकीपर रिकी भुई को कैच थमाया। इससे पश्चिम क्षेत्र की रही सही उम्मीद ही समाप्त हो गई। कावेरप्पा को मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। अतीत सेठ (नौ) और धर्मेंद्रसिंह जडेजा (15) ने आठवें विकेट के लिए 23 रन जोड़े लेकिन इस से वह हार का अंतर ही कम कर पाए। धर्मेंद्र जडेजा ने साईं किशोर की गेंद पर लंबा शॉट खेलने के प्रयास में वाशिंगटन सुंदर को कैच थमाया। इसके बाद उन्होंने सेठ को भी आउट किया।

महाराष्ट्र: अजित पवार, राकांपा के अन्य मंत्री शरद पवार से मिले, पार्टी को एकजुट रखने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अपने खेमे के कुछ अन्य मंत्रियों के साथ रविवार को मुंबई में राकांपा अध्यक्ष शरद पवार से मुलाकात की और उनसे पार्टी को एकजुट रखने का आग्रह किया। राकांपा नेता प्रफुल्ल पटेल ने यह जानकारी दी।

पटेल ने कहा कि राकांपा प्रमुख ने चुपचाप उनकी बात सुनी, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। अपने चाचा के खिलाफ बगावत करने और दो जुलाई को एकनाथ शिंदे सरकार में शामिल होने के बाद अजित पवार के नेतृत्व वाले समूह और शरद पवार के बीच यह पहली अनिर्धारित बैठक थी। अजित पवार ने राकांपा मंत्रियों-हसन मुशरिफ, छगन भुजबल, अदिति तटकरे और दिलीप वलसे पाटिल के साथ वाई बी चव्हाण सेंटर में शरद पवार से मुलाकात की।

बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में राकांपा के राज्यसभा सदस्य प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि शरद पवार उन सबके लिए एक आदर्श की तरह हैं और वे आशीर्वाद लेने के लिए उनसे मिले। अजित खेमे में शामिल पटेल ने कहा, 'हमने उनसे (शरद पवार से) राकांपा को एकजुट रखने का अनुरोध किया।

सुविचार

शक ना कर मेरी हिम्मत पर,
मैं ख्वाब बुन लेता हूँ,
टूटे धागों को जोड़कर।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

आवाज़ उठाएं

पाकिस्तान के सिंध स्थित काशमोर में डकैतों के एक गिरोह द्वारा हिंदू मंदिर पर हमले की घटना अत्यंत निंदनीय है। वहां हिंदू समुदाय के पवित्र स्थलों पर हमलों को लेकर अपराधी कितने बेखौफ हैं, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उक्त घटना में रॉकेट लॉन्चरों के इस्तेमाल की बात सामने आई है। पाकिस्तान में आतंकी तत्त्व तो धमाके करते ही रहते थे, अब डकैत भी उनके नक़्शे-क़दम पर चल पड़े हैं। ऐसा दुस्साहस सरकार, सेना और एजेंसियों के आशीर्वाद के बिना पैदा नहीं होता है। जब से सीमा-सचिन प्रेम-प्रसंग सामने आया है, पाकिस्तान में कट्टरपंथियों द्वारा हिंदू समुदाय को धमकियां दी जा रही हैं। उन्होंने भारत में आतंकी हमले की धमकी से लेकर पाक में रहने वाले हिंदुओं, उनके मंदिरों को निशाना बनाने की बात कही थी। सीमा-सचिन मामला भारत में न्यायालय के समक्ष आ चुका है, एजेंसियां जांच कर रही हैं। सीमा और उसके बच्चे यहां रहेंगे या वापस पाक भेजे जाएंगे, इसका उचित निर्णय मामले के सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए होगा। भारत में यह मामला प्रकाश में आते ही पुलिस तुरंत सक्रिय हो गई थी, जबकि पाक में कट्टरपंथियों, डकैतों की धमकियों के बावजूद पुलिस और एजेंसियां निष्क्रिय नजर आईं। क्या उन्होंने यह पहले ही तय कर लिया था कि अगर हिंदू समुदाय के पवित्र स्थलों पर हमले होते हैं तो होने दिए जाएं? पाक में हर साल सैकड़ों मासूम हिंदू बालिकाओं के अपहरण और जबरन धर्मांतरण में लिप्त मियां मिट्ठू और उसके समर्थक धमकी दे चुके थे कि हिंदुओं के पूजा स्थलों पर हमले किए जाएंगे। उसके बाद पाक सरकार ने सावधानी के तौर पर कदम क्यों नहीं उठाए?

पूरे पाकिस्तान में हिंदू मंदिर गिनती के बचे हैं। वर्ष 1947 से पहले के कई मंदिरों पर अवैध कब्जे हो चुके हैं। उन पर मकान, दुकान, शॉपिंग मॉल आदि बन गए हैं। बाकी मंदिरों पर भी कट्टरपंथियों की नजर है। वे उनकी जमीन हड़पना चाहते हैं। इसके लिए सबसे पहले हिंदू समुदाय को धमकियां दी जाती हैं। उन पर हमले कर खौफ पैदा किया जाता है। फिर फर्जी कागजात बनवाकर संबंधित जमीन को अपने नाम करवा लिया जाता है। अगर हिंदू पक्ष विरोध के तौर पर अदालत जाता है तो वहां उसे निराशा ही हासिल होती है। इस तरह मंदिर की जमीन हड़पने की कोशिश में पूरा तंत्र हिंदुओं के खिलाफ काम करता है। सिंध के कई गांवों में यह कहानी दोहराई जा चुकी है। पाकिस्तान के कराची शहर में शनिवार सुबह जब हिंदू समुदाय के लोग उठे तो मालूम हुआ कि सोल्जर बाजार स्थित पुराना मारी माता मंदिर भी जमींदोज कर दिया गया है! डेढ़ सौ साल से ज्यादा पुराना यह मंदिर कई पीढ़ियों से हिंदू समुदाय की आस्था का केंद्र था। उसे ढहाने से हिंदू समुदाय आक्रोशित है, लेकिन वह अपने अधिकारों के लिए आवाज तक नहीं उठा सकता। कहा जा रहा है कि अब इस मंदिर की जमीन पर शॉपिंग मॉल बनाया जाएगा। इसके लिए एक बिल्डर का प्रशासन से सौदा पक्का हो चुका है। इस घटना को अंजाम देने में प्रशासन पूरी तरह उसका ही साथ दे रहा है। शुक्रवार रात जब मजदूरों और बुलडोजर को यहां लाया गया तो सबसे पहले इलाके की बिजली काट दी गई, ताकि किसी को खबर न हो। साथ ही पुलिस की एक टीम मौके पर तैनात कर दी गई थी। अगर हिंदू समुदाय विरोध करता तो उस पर बल-प्रयोग किया जाता। पिछले साल जून में इस मंदिर में देवी-देवताओं की प्रतिमाएं खंडित कर दी गई थीं। इसके बावजूद पाक सरकार की ओर से सुरक्षा का कोई इंतजाम नहीं किया गया था। अगर इंतजाम कर भी दिया जाता, तो कुछ नहीं होता, क्योंकि वहां 'रक्षक' ही 'भक्षक' बने हुए हैं। इस मामले में क्या डकैत और क्या पुलिस, सब एक जैसे हैं। पाकिस्तानी हिंदुओं के लिए आशा की एकमात्र किरण भारत है। भारतवासियों को चाहिए कि वे इस जुल्म के खिलाफ हर मंच से आवाज़ उठाएं।

ट्वीटर टॉक

पिछले 5 वर्षों में गहलोत सरकार ने कुशासन का झंडा बुलंद किया है, भ्रष्टाचार के नए रिकॉर्ड बनाएं हैं। गरीबों, दलितों, महिलाओं, आदिवासियों और बच्चों पर अत्याचार के मामले राजस्थान की गहलोत सरकार ने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं।

-जोपी नड्डा

मुख्यमंत्री के गृहनगर जोधपुर के हालात देखिए, कल एक निजी स्कूल के दूसरी कक्षा की छात्रा के साथ बलात्कार, तो आज उनके विधानसभा क्षेत्र की यूनिवर्सिटी में सामूहिक बलात्कार की घटना बहुत ही रोष वाली है। इनकी सरपरस्ती में प्रदेश दुष्कर्मों के सारे रिकॉर्ड तोड़ चुका है।

-सतीश पूनिया

देवभूमि उत्तराखंडवासियों को पावन पर्व हरेला की हार्दिक शुभकामनाएँ। प्रकृति को समर्पित लोक आस्था के इस पर्व पर आइए हम पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन हेतु कृतसंकल्पित हों। यह पर्व आप सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली लेकर आए, यही प्रार्थना है।

-ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

वीरांगना का बलिदान

मुगलों ने दुर्गादास राठौर को अपना कट्टर दुश्मन समझ रखा था। यही कारण था कि मुगलों ने कई बार दुर्गादास राठौर को छल से मारने का प्रयास किया, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। एक बार दुर्गादास राठौर को एक मराठा सरदार के घर रात बितानी पड़ी। सरदार मुगलों की नौकरी में था। जब दुर्गादास गहरी नींद में सो गये, तो सरदार अपनी कटार निकाल उनकी हत्या करने के लिए आगे बढ़ा, तभी उसकी वीर पत्नी बिजली की गति से उसके सामने आ गयी और अपने पति से कटार छीनकर बोली, 'धिक्कार है तुम्हारी वीरता पर। मुगलों के टुकड़ों पर पलने से लगता है कि तलवार के साथ-साथ तुम्हारी आत्मा को भी जंग लग गयी है। तुमने आज मराठा जाति को कलंकित कर दिया। मैं ऐसे कायर की पत्नी कहलाने से अच्छा मौत को गले लगा लेना उचित समझती हूं।' इतना कहकर सरदार की पत्नी ने अपने सीने में कटार उतार ली।

सामयिक

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अब हो सकता है खतरनाक ?

संजीव ठाकुर
मोबाइल : 9009 415 415

खाड़ी के देश जिनमें सऊदी अरबिया, कतर ,मिस्र, जॉर्डन, यूएई अपने बजट का 34 प्रतिशत बढ़ा हुआ हिस्सा एआई तकनीक पर लगातार कर रहे हैं। खाड़ी के देश इस टेक्नोलॉजी का उपयोग इस वजह से कर रहे हैं क्योंकि यह उनकी भविष्य की योजनाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा है जिससे वे तेल की कमाई से हटकर अन्य साधनों से अपनी अर्थव्यवस्था में सुधार ला सकें।

अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नफ्ज़ पढ़कर आपके मस्तिष्क की बात तुरंत पकड़कर उस पर अमल करने लगेगा। अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पल्स रेट द्वारा आपके मन की हर बात जानने में सक्षम हो सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तकनीक को वैज्ञानिकों ने मानव की सहायता के लिए और देश की बेहतरी के लिए अविष्कार किया है। अभी तक तो अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, इजरायल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के मामले में काफी आगे पर अब खाड़ी के देशों विगत 5 साल में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति केवल तेल के कुए पर न रह कर अन्य योजनाओं पर भी काम करना शुरू कर दिया है और आश्चर्यजनक रूप से यूएई, सऊदी अरबिया, कतर, मिस्र, जॉर्डन, मोरक्को और अन्य देशों में यूरोप की तुलना में अब और ज्यादा खर्च करके आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तकनीक को अपने देश में बहुत मजबूत बना लिया। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जितने फायदे हैं उससे ज्यादा विकासशील देशों के लिए यह नुकसान देह भी हो सकता है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आपकी पल्स रीडिंग और मानसिक विचारधारा को केवल थंब इंप्रेशन में ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का डिवाइस पढ़ कर उस पर अमल कर सकता है।

इस टेक्नोलॉजी से अमेरिका तथा यूरोपीय देश अब तक दुश्मन की अनेक सूचनाएं बड़ी आसानी से प्राप्त कर उसका सामरिक उपयोग करने में लगे हुए हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग रूस अपनी टेक्नोलॉजी का उपयोग कर मिसाइल दागने में यूक्रेन यूक्रेन के विरुद्ध कर रहा है और अब तक यूक्रेन यूरोपीय तथा नाटो देश की मदद से इसी तकनीक के सहारे रूस के विरुद्ध अब तक टिका हुआ है वैसे तो यूक्रेन और रूस का युद्ध में काफी नुकसान हुआ है पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भरपूर उपयोग दोनों देश एक दूसरे पर कर रहे हैं। विकासशील देशों में इस टेक्नोलॉजी का विकास अभी काफी एडवांस नहीं है इन परिस्थितियों में उनके लिए उनके सामरिक महत्व की चीजें छुपाना दुश्मन देशों के सामने कठिन हो जाएगा और उनकी खुफिया जानकारी शक्तिशाली देश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केवल एक सूत्र प्राप्त करने के बाद ही पूरी प्राप्त कर सकते हैं.

खाड़ी के देश जिनमें सऊदी अरबिया, कतर ,मिस्र, जॉर्डन, यूएई अपने बजट का 34 प्रतिशत बढ़ा हुआ हिस्सा एआई तकनीक पर लगातार कर रहे हैं। खाड़ी के देश इस टेक्नोलॉजी का उपयोग इस वजह से कर रहे हैं क्योंकि यह उनकी भविष्य की योजनाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा है जिससे वे तेल की कमाई से हटकर अन्य साधनों से अपनी अर्थव्यवस्था में सुधार ला सकें। यूं एई पहला देश है जिसने 2017 ने इस तकनीक को अपनाया था इसके बाद खाड़ी के देशों में अब टेक्नोलॉजी को अपनाने में होड़ हो गई है। यह सभी देश एआई टेक्नोलॉजी पर लगभग 3 अरब डॉलर खर्च कर चुके हैं। दूसरी तरफ यदि इसका इस्तेमाल अति विशेषज्ञों द्वारा नहीं किया गया तो इसका दुरुपयोग जिन देशों के पास इन टेक्नोलॉजी से एडवांस टेक्नोलॉजी है वह पूरी जानकारी निकालने में सक्षम होंगे।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग यूरोपीय देश न सिर्फ सामरिक महत्व की चीजों में कर रहे हैं बल्कि मेडिकल साइंस और अंतरिक्ष विज्ञान में भी पूरी तरह हो रहा है और इससे बहुत फायदे भी मिल रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मानव प्रजाति के लिए जितना फायदेमंद है दूसरी तरफ उतना ही नुकसान दे और इससे वैश्विक शांति को खतरा भी हो सकता है। राइट एक्टिविस्ट मानते हैं कि रोबोट की तरह इस तरह की विज्ञान पर आधारित चीजें माननीय प्रजाति को खत्म कर सकती है बल्कि उनकी चिंता डेटा सुरक्षा प्रपोगेंडा सर्विलांस के विरुद्ध होने वाले नुकसान पर भी ज्यादा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर खाड़ी के देशों ने एआई के इस्तेमाल पर दिशा निर्देश तय कर उसे जारी किया है हालांकि इस पर कोई कानूनी बाध्यता नहीं है फिर भी इसका दुरुपयोग होने से मानव को खतरा भी हो सकता है यह एक वैश्विक चिंता की बात है।

विशेष

हरियाली अमावस्या : प्रकृति के प्रति कृतज्ञ होने का पर्व

अमरपाल सिंह वर्मा
मोबाइल : 9829019785

हमारे देश के दूरदर्शी लोगों ने सदियों पहले प्रकृति का महत्व समझ लिया और उसके संरक्षण के उपाय सुनिश्चित किए। आम जन-जीवन में प्रकृति के प्रति आस्था का भाव सदा से रहा है। देश में प्राचीन काल से ही लोग प्रकृति के प्रति श्रद्धा रखते आ रहे हैं। हमारे यहां ऐसे अनेक पर्व और त्योहार हैं जो पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हैं। हरियाली अमावस्या ऐसा ही पर्व है, जब लोग न केवल प्रकृति के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हैं बल्कि पर्यावरण को सुरक्षित रखने का संकल्प भी लेते हैं। सावन महीने की कृष्ण पक्ष की अमावस्या को आम जन मानस में हरियाली अमावस्या के नाम से जाना जाता है। यह एक ऐसा अवसर है, जब लोगों में अधिकाधिक पेड़ लगाने की होड़ लग जाती है। राजस्थान में तो यह पर्व धार्मिक आस्था से ज्यादा लोगों के लिए पर्यावरण चेतना जागृत करने और पर्यावरण को सुरक्षित कर प्रकृति के प्रति आभार जताने का खास मौका है, जिसे वह कभी नहीं छोड़ते।

राजस्थान में समुदाय में पर्यावरण संरक्षण की अनेक परंपराएं प्रचलित हैं। अगर लोगों ने तीज-त्योहारों के रूप में आनंदित होने के मौके तलाशे हैं तो उन्हें पेड़ लगाने के लिए खास अवसर भी बनाया है। हरियाली अमावस्या एक ऐसा ही अवसर है जो लोगों की धार्मिक आस्था के साथ-साथ पर्यावरण के प्रति चेतना का भी परिचायक है। हरियाली अमावस्या पर नदियों और तालाबों में स्नान व देव पूजन का जितना महत्व है, उतना ही महत्व वृक्षों की पूजा और पौधे लगाने का भी है। इस दिन राजस्थान में अनेक स्थानों पर मेले भरते हैं जिनमें लोग हर्षोल्लास से शामिल होते हैं। इन मेलों में हजारों की तादाद में जन समुदाय उमड़ता है। हरियाली अमावस पर जब लोगों को हम वृक्ष पूजन करते और पेड़ लगाते देखते हैं तो उनमें पर्यावरण के प्रति दायित्व के बोध का एहसास होता है। अजमेर के मांगलियावास गांव

में पर्यावरण संरक्षण को समर्पित हजारों लोगों की सहभागिता वाला कल्पवृक्ष मेला पिछले 800 साल से लग रहा है। जोधपुर जिले में बालेसर के जिनजियाला गांव के तेखला धाम पर लगने वाले मेलों में हजारों लोग शिरकत करते हैं।

जोधपुर में 105 किलोमीटर लंबी भोगिशैल परिक्रमा यात्रा को देखकर अयोध्या की 24 कोसी परिक्रमा का सा आभास होता है। भोगिशैल यात्रा की समाप्ति के उपरांत लोग वृक्ष पूजा कर पर्यावरण के संरक्षण का संकल्प करते हैं। साथ ही पौधे लगाते हैं। उदयपुर में हरियाली अमावस पर बड़े मेलों का आयोजन होता है। नागौर, सीकर, झुंझुनूं, चूरू जिलों में हरियाली अमावस की धूम रहती है। बीकानेर जिले में हरियाली अमावस को एक बड़े उत्सव की तरह मनाया जाता है। वहां के लोग इस दिन पौधे लगाने, प्रकृति के संरक्षण और गायों की पूजन की परंपरा को कायम रखे हुए हैं। बीकानेर जिले में मां भारती सेवा प्रन्यास, कामधेनु गौशाला अंबासर और राष्ट्रीय गाय आंदोलन राजस्थान जैसे संगठन इस मौके पर गांव-गांव में पर्यावरण को समर्पित कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं जिनमें शिरकत करने वाले ग्रामीण दीपदान करते हैं, पौधे लगाते हैं और गोचर, ओरण व जंगल को बचाने का संकल्प करते हैं। बीकानेर में जहां राष्ट्रीय गाय आंदोलन राजस्थान के अध्यक्ष सूरजमाल सिंह नीमराना ने हरियाली अमावस पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में गाय और पर्यावरण के महत्व को स्थापित किया है तो वहीं नागौर में वृक्ष मित्र पद्मश्री चौ. हिम्मताराम भांभू हरियाली अमावस जैसे अवसरों से आम जन की भागीदारी जोडक़र पर्यावरण की रक्षा में एक मिसाल बन गए हैं। राजस्थान में समुदाय में वृक्षों के प्रति श्रद्धा भाव बेमिसाल है। हरियाली अमावस पर लोग पीपल, बरगद, नींबू, तुलसी के पौधे रोपते हैं। स्थानीय लोगों का इस बात में अटल विश्वास है कि वृक्षों में देवताओं का वास होता है। वृक्षों के संरक्षण और अधिकाधिक वृक्ष लगाने से देवता प्रसन्न होते हैं और सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं। प्रदेश की लोक संस्कृति में प्राचीन समय से ही पर्यावरण का अत्यंत महत्व है। हमेशा से पर्यावरण के महत्व और संरक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया जाता रहा है। आम जन पेड़ों और जीवों के साथ सह जीवन की परिकल्पना को साकार करता दिखाई देता है। हरियाली अमावस्या पर नदी-तालाब में स्नान, पितृ पूजा और देव पूजन के साथ-साथ पर्यावरण के महत्व को हमारे पूर्वजों ने जिस सोच के साथ जोड़ा है वह उनकी दूरदृष्टि का परिचायक है। जाहिर है कि हमारे पूर्वजों ने सदियों पहले ही पर्यावरण पर आने वाले संकट को भांप लिया था और इससे निपटने के तौर-तरीके भी बहुत पहले ही लोक जीवन में प्रचलित कर दिए। इन तौर-तरीकों को हम वृक्षों की पूजा, वृक्षारोपण, जल पूजन और जीव रक्षा के रूप में देखते हैं। पेड़-पौधों में ईश्वर के वास की धारणा पर्यावरण के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

चिंतन

महिलाएँ : समाज की वास्तविक वास्तुकार

प्रियंका सौरभ
मोबाइल : 7015375570

महिलाएं एक सशक्त शब्द है। यह आकर्षक है क्योंकि यह प्यार, देखभाल, पोषण, दायित्वों, जिम्मेदारियों, शक्ति, अनंत काल, मातृत्व आदि को दर्शाता है। नारी समाज का दर्पण है। जब उसे हाशिये पर धकेल दिया जाता है, तो उस पर अत्याचार किया जाता है; यदि इसे पाला जाता है, तो समाज को पाला जाता है; यदि इसे मजबूत किया जाता है, तो यह सशक्त होता है। वह संस्कृति और रीति-रिवाजों को बनाए रखती है और उन्हें सामने लाती है। वह वह है जो अपने पति और उसके परिवार की परवाह करती है। दूसरे शब्दों में, वह समाज में सब कुछ बनाती है। एक महिला (माँ) उसकी संतान होती है, पहली शिक्षक; वह अपने बच्चों का प्यार से इलाज करने वाली पहली डॉक्टर हैं। वह अपने बच्चों को पढ़ाने वाली पहली शिक्षिका हैं, अपने बच्चों के साथ खेल खेलने वाली पहली साथी हैं। अपने बच्चे के विकास में उसका कार्य बहुत बड़ा है।

हमारे समाज में कई सालों से महिलाओं को पुरुषों से कमतर समझा जाता रहा है। इस प्रकार की हीनता के कारण उन्हें अपने जीवन में विभिन्न मुद्दों और समस्याओं का सामना करना पड़ता है। खुद को पुरुषों के बराबर साबित करने के लिए उन्हें पुरुषों से ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। मध्य युग में लोग महिलाओं को विनाश की कुंजी मानते थे, इसलिए उन्होंने कभी भी महिलाओं को पुरुषों की तरह बाहर जाने और सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने की अनुमति नहीं दी। फिर भी आधुनिक युग में महिलाओं को अपने दैनिक जीवन में कई सारी समस्याओं का सामना करना पड़ता है और अपना करियर स्थापित करने के लिए काफी संघर्ष करना

पड़ता है। कई माता-पिता केवल लड़का पैदा करना पसंद करते हैं और केवल लड़कों को ही शिक्षा देने की अनुमति देते हैं। उनके लिए महिलाएं परिवार को खुश और स्वस्थ रखने का माध्यम मात्र हैं।

एक महिला को समाज में अधिक उपहास की दृष्टि से देखा जाता है और यदि वह प्रेम विवाह या अंतरजातीय प्रेम विवाह में शामिल होती है तो उसे ऑनर किलिंग का खतरा अधिक होता है। महिलाओं को पुरुषों की तुलना में स्वायत्तता, घर से बाहर गतिशीलता, सामाजिक स्वतंत्रता आदि तक समान पहुंच नहीं है। महिलाओं द्वारा सामना की जाने वाली कुछ समस्याएं उनकी घरेलू जिम्मेदारियों और सांस्कृतिक और सामाजिक निर्दिष्ट भूमिकाओं के कारण हैं।

भारत सरकार ने लैंगिक समानता और सभी महिलाओं और लड़कियों की आर्थिक स्वतंत्रता को आगे बढ़ाने के लिए हाल के वर्षों में कई नई नीतियां और सुधार लागू किए हैं। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए, कुछ प्रमुख पहलों में 22 करोड़ महिलाओं के लिए जन धन खाते बनाना और उन्हें मुद्रा योजना के तहत कम ब्याज पर ऋण प्रदान करना शामिल है। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ पहल शिक्षा के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई थी।

जनसंख्या की आवश्यकताओं के प्रति जिम्मेदार और उत्तरदायी निष्पक्ष, सस्ती और उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाओं तक सार्वभौमिक पहुंच प्राप्त करने का लक्ष्य राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन का प्राथमिक फोकस है। महिलाओं को सशस्त्र सेवाओं में स्थायी कमीशन प्रदान करना और मातृत्व अवकाश की अवधि 12 से बढ़ाकर 26 सप्ताह करना सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए अनुकूल माहौल को बढ़ावा देता है और एक सक्षम वातावरण स्थापित करता है। बलात्कार को रोकने के लिए बनाए गए कानूनों को भी और अधिक सख्त बनाया जा रहा है। इसके अलावा, उज्ज्वला कार्यक्रम, स्वाधार गृह कार्यक्रम और महिला शक्ति केंद्र उन मुद्दों से निपटने के लिए केंद्र सरकार द्वारा लागू की गई नीतियों और कार्यक्रमों के कुछ महत्वपूर्ण उदाहरण हैं जिनका महिलाओं को आम तौर पर सामना करना पड़ता है। ये उन नीतियों और कार्यक्रमों के कुछ महत्वपूर्ण उदाहरण हैं जिन्हें लागू किया गया है। देश में महिलाओं के व्यापक सशक्तिकरण की गारंटी के लिए, सरकार, व्यापारिक समुदाय, गैर-लाभकारी संस्था और आम जनता सभी को मिलकर काम करना चाहिए। जन आंदोलन और जन भागीदारी के माध्यम से सामूहिक व्यवहार परिवर्तन भी आवश्यक है।

हमारा समाज कहता है, पृथ्वी पर सबसे मूल्यवान वस्तु 'स्त्रियाँ' हैं। आइए इस धरती पर हर महिला को सलाम करें। 'महिलाएं समाज की वास्तविक वास्तुकार हैं, वे जो चाहें वह बना सकती हैं।' एक महिला क्या चाहती है? - समय, देखभाल और बिना शर्त प्यार, आदि। इस धरती पर प्रत्येक महिला गरिमा, संस्कृति और सम्मान का प्रतीक है। नारी के बिना यह संसार सूना और अंधा है। महिलाएं समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। निजी जीवन में महिला की भागीदारी काफी प्रभावशाली है। कई समाज घरों और समुदायों में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को नजरअंदाज करते हैं। महिलाओं के अवैतनिक श्रम को अक्सर न तो महत्व दिया जाता है और न ही जीडीपी में शामिल किया जाता है, जो अक्सर अनदेखा और गैर-मान्यता प्राप्त रहता है। अब यह पहचानने का समय आ गया है कि उनकी भूमिका और योगदान कितने महत्वपूर्ण हैं। आइए सुनिश्चित करें कि दोनों लिंग एक-दूसरे को भागीदार के रूप में देखें।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सावन मिलन

पटना में रविवार को सावन मिलन समारोह के दौरान अपने सजे हुए हाथ में मेंहदी दिखाती विवाहित महिलाएं।

प्रधानमंत्री की फ्रांस और यूएई की यात्रा ठोस परिणाम लेकर आएंगे : भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की फ्रांस और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की हालिया यात्राओं को 'सफल' करार दिया और रविवार को कहा कि आने वाले समय में इन यात्राओं के ठोस परिणाम भी सामने आएंगे।

प्रधानमंत्री मोदी फ्रांस और संयुक्त अरब अमीरात की 'सफल' यात्रा के बाद शनिवार को स्वदेश लौटे।

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने यहां भाजपा मुख्यालय में संवाददाताओं से कहा, 'प्रधानमंत्री की फ्रांस और यूएई की यात्रा सफल रही और इसके परिणाम भी सकारात्मक रहे।

पुरी ने प्रधानमंत्री की अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, मिस्र, फ्रांस, संयुक्त अरब अमीरात और जापान की आधिकारिक यात्राओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इन सब यात्राओं की उपलब्धि में 'भारत की कहानी' रही है। उन्होंने कहा, 'निश्चित तौर पर इन सभी यात्राओं के द्विपक्षीय और बहुपक्षीय क्षेत्र में बहुत सकारात्मक परिणाम रहे हैं। उन्होंने कहा, 'बाहरी दुनिया के साथ हमारे आदान-प्रदान की गति और जी-20 शिखर सम्मेलन से पहले आने वाले हफ्तों में जिस तरह के कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है, मुझे लगता है कि यह दुनिया के कई हिस्सों में भारत की कहानी है।

प्रधानमंत्री की फ्रांस यात्रा के बारे में उन्होंने कहा, 'यह सिर्फ एक यात्रा नहीं थी, बल्कि यह ठोस परिणामों पर भी आधारित थी। इससे भी अधिक यह अगले 25 वर्षों में सहयोग के लिए आधार भी प्रदान करती है।

अच्छा होगा अब सीमा हैदर कभी पाक न लौटे

कराची/भाषा। मुस्लिम समाज की रूढ़ियों को तोड़ने का साहस करते हुए अपने चार बच्चों के साथ चोरी-छिपे भारत गई पाकिस्तानी महिला सीमा गुलाम हैदर का उसके परिवार और पड़ोसियों ने बहिष्कार कर दिया है। वह भारत में, एक हिंदू व्यक्ति के साथ रहने गई है, जिससे एक ऑनलाइन गेम के दौरान उसकी दोस्ती हुई थी।

सीमा और सचिन मीणा 2019 में पबजी खेलने के दौरान एक-दूसरे के संपर्क में आए और इसके बाद दो चिर-प्रतिद्वंद्वी देशों में 1,300 किलोमीटर से अधिक की दूरी पर रह रहे इन दोनों के बीच एक नाटकीय प्रेम कहानी शुरू हुई। उत्तर प्रदेश पुलिस के अनुसार, सीमा (30) और सचिन (22) दिल्ली के समीप ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा इलाके में रहते हैं, जहां सचिन किराने की दुकान चलाता है।

सीमा को बिना वीजा के नेपाल के जरिए अपने चार बच्चों के साथ अवैध तरीके से भारत में घुसने को लेकर चार जुलाई को गिरफ्तार कर लिया गया था, जबकि सचिन को अवैध शरणार्थी को पनाह देने के आरोप में जेल भेज दिया गया था। हाल में उन्हें जेल से रिहा कर दिया गया। सीमा के बच्चों की उम्र सात साल से कम है।सीमा के पड़ोसियों और एक रिश्तेदार ने 'पीटीआई-भाषा' के संवाददाता से कहा कि वे चाहते हैं कि सीमा पाकिस्तान न लौटे। सीमा भारत आने से पहले अपने बच्चों के साथ पिछले तीन साल से पाकिस्तान में किराए के एक मकान में रह रही थी।

उसके मकान मालिक के 16 वर्षीय बेटे ने कहा, 'उसे अपने बच्चों को वापस पाकिस्तान भेजना चाहिए। वह वहां रह सकती है। अब वह मुस्लिम भी नहीं रही।

चार बच्चों की मां और नौकरी करने विदेश गए व्यक्ति की पत्नी के पाकिस्तान के इस रूढ़िवादी समाज में सब कुछ छोड़कर पड़ोसी देश (भारत) में अवैध रूप से जाने की हिमाकत उसके आस-पड़ोस में सभी लोगों के लिए चर्चा का विषय बन गई है।

दिल्ली के 'लोहे के पुल' से पहली बार 1866 में गुजरी थी ट्रेन

नई दिल्ली/भाषा

दिल्ली के 150 साल पुराने ऐतिहासिक यमुना ब्रिज को 1866 में पहली बार कलकत्ता और दिल्ली को रेल नेटवर्क से जोड़ने के लिए खोला गया था। इस पुल को इंजीनियरिंग की असाधारण उपलब्धि माना गया था।

'लोहे के पुल' के नाम से मशहूर यह पुल डेढ़ सदी से अधिक समय में इतनी बार बाढ़ का गवाह बना है कि इसे यमुना नदी में पानी के खतरे के स्तर को मापने का संदर्भ बिंदु भी माना जाने लगा है।

यह नदी पिछले सप्ताह से उफान पर है और बुधवार को इसका जलस्तर 1978 में बने 207.49 मीटर के रिकॉर्ड को तोड़ते हुए 207.71 मीटर के स्तर पर पहुंच गया था, जिससे दिल्ली के कई अहम हिस्सों में बाढ़ आ गई थी। यमुना का जलस्तर बढ़ने के कारण भारतीय रेल की जीवनरेखा माने जाने वाले इस ऐतिहासिक पुल को यातायात के लिए अस्थाई रूप से बंद कर दिया गया था।

रेलवे के पुलों, इमारतों और नेटवर्क विस्तार पर व्यापक अनुसंधान करने वाले भारतीय रेलवे के अधिकारियों और विशेषज्ञों ने पुराने यमुना ब्रिज को ''भारत की अमूल्य धरोहर बताया है। भारतीय रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी पी के मिश्रा ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, 'यह लोहे का एक पुराना घोड़ा है, जो 1860 से यमुना नदी पर सरपट दौड़ रहा है। इसने भांप से चलने वाली ट्रेन के युग, डीजल युग और बिजली से चलने वाली ट्रेन के युग को देखा है।

दक्षिण-पश्चिमी रेलवे के पूर्व अतिरिक्त महाप्रबंधक और आसनसोल मंडल के पूर्व मंडलीय रेलवे प्रबंधक मिश्रा रेलवे की विरासत पर लंबे समय से अनुसंधान कर रहे हैं। उन्होंने भारत में रेलवे की यात्रा के ऐतिहासिक पड़ावों पर कई लेख भी लिखे हैं।

भारत में रेल सेवा की शुरुआत 16 अप्रैल 1853 को बंबई से ठाणे के बीच हुई थी।

'ब्रिजेस, बिल्डिंग्स एंड ब्लैक ब्यूटीज ऑफ नॉर्दर्न रेलवे' किताब के अनुसार, 'ब्रिटिश काल की सबसे सफल रेल कंपनियों में से एक तत्कालीन पूर्वी भारतीय रेलवे ने दिल्ली-हावड़ा लाइन का निर्माण किया था।

उत्तरी रेलवे के पूर्व महाप्रबंधक विनू एन माथुर द्वारा लिखी इस पुस्तक में अविभाजित भारत में निर्मित विभिन्न रेलवे पुलों का इतिहास बयां किया गया है, जिनमें दिल्ली और प्रयागराज में यमुना पर बने ''प्रसिद्ध पुल भी शामिल हैं।

रेलवे की शब्दावली में 'ब्रिज नंबर 249' के नाम से पहचाना जाने वाला पुराना यमुना ब्रिज दिल्ली-गाजियाबाद खंड पर स्थित है। शुरुआत में इसे 16,16,335 पाउंड की लागत से एकल लाइन के रूप में बनाया गया था।

माथुर की 450 पृष्ठों की किताब के मुताबिक, 1913 में इस पुल को दोहरी लाइन में बदला गया और बाद में 1930 में इसके नीचे बने सड़क मार्ग को चौड़ा किया गया।

उत्तर-पश्चिमी रेलवे ने 1925 में इस पुल के रखरखाव का जिम्मा अपने हाथ में ले लिया। मौजूदा समय में इस पुल के रखरखाव का दायित्व उत्तरी रेलवे पर है।

खरीददारी

पटना के बिस्कोमान भवन के बाहर रविवार को 90 रुपये किलो की रियायती दर पर टमाटर खरीदते लोग।

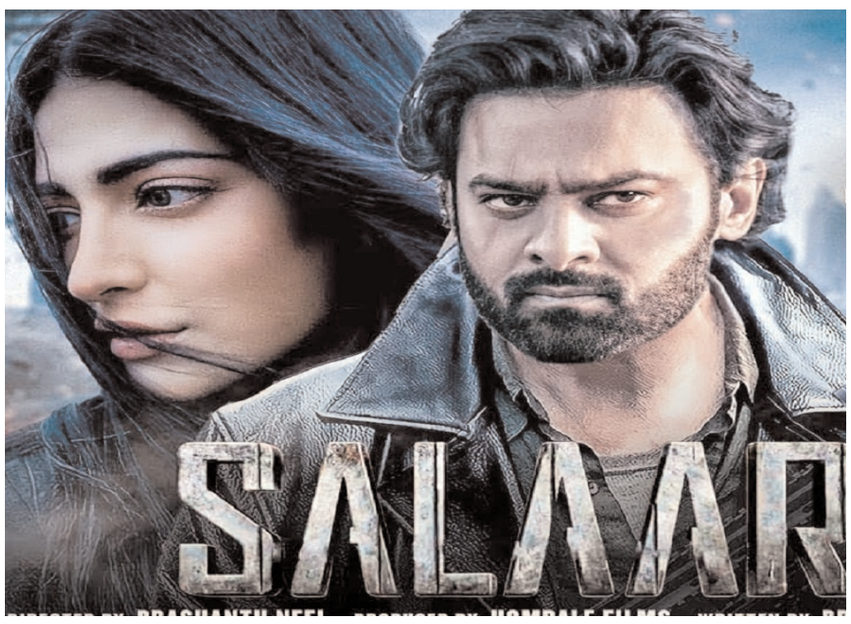

200 करोड़ रुपये में बिके 'सालार' के ओटीटी अधिकार !

मुंबई/एजेन्सी

मिली जानकारी के मुताबिक सालार के पोस्ट रिलीज ओटीटी राइट्स को निर्माताओं ने 200 करोड़ रुपये की बड़ी डील के साथ बेचा है। अभी साफ नहीं है कि ये रकम सभी भाषाओं की ओटीटी रिलीज के लिए है या फिर किसी एक भाषा की ओटीटी रिलीज को लेकर है। इतना ही नहीं, फिलहाल ये भी साफ नहीं हुआ है कि ये मोटी डील किस ओटीटी प्लेटफॉर्म ने क्रैक की है। फिलहाल सिर्फ यही जानकारी सामने आई है कि इस फिल्म की ओटीटी रिलीज के अधिकार 200 करोड़ रुपये में बिके हैं। सालार का धांसू टीजर निर्माताओं ने कुछ दिनों पहले ही जारी किया था। जिसने रिलीज के महज 24 घंटे के अंदर ही 82 मिलियन व्यूज का बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया था। इस फिल्म के टीजर को मिले जबरदस्त रिस्पॉन्स के बाद अब निर्माताओं की नजर फिल्म के बॉक्स ऑफिस कारोबार पर टिकी है।

इससे पहले अभी तक फिल्म का टीजर यूट्यूब पर 117 मिलियन व्यूज के आंकड़े को पार कर चुका है। जो एक बड़ी बात है। जिन्हें जानकारी नहीं हैं उन्हें बता दें कि सुपरस्टार प्रभास की फिल्म सालार की रिलीज डेट काफी करीब है। निर्माता-निर्देशक इस फिल्म को इसी साल सितंबर महीने में रिलीज करने वाले हैं। ये फिल्म 28 सितंबर को सिल्वर स्क्रीन पर धमाका करने वाली है।

इस फिल्म में प्रभास के अतिरिक्त पृथ्वीराज सुकुमारन व श्रुति हासन मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशक प्रशांत नील ने किया है जो अपनी केजीएफ फ्रेंचाइजी के चलते दर्शकों में अपनी एक अलग पहचान बना चुके हैं। हालांकि टीजर देखने के बाद सालार को केजीएफ की ही अगली कड़ी माना जा रहा है।

जरीना हाशमी के 86वें जन्म दिन पर डूडल बनाकर श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली/भाषा। सर्च इंजन गूगल ने भारतीय मूल की अमेरिकी कलाकार और 'प्रिंटमेकर' जरीना हाशमी के 86वें जन्म दिन पर रविवार को एक विशेष ''डूडल के जरिये उन्हें श्रद्धांजलि दी। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में 1937 में आज ही के दिन जन्मीं जरीना के परिवार को देश के विभाजन के दौरान कराची (पाकिस्तान) पलायन करने के लिए मजबूर होना पड़ा था। गूगल ने डूडल के विवरण में कहा, आज का डूडल भारतीय मूल की अमेरिकी कलाकार और प्रिंटमेकर जरीना हाशमी को उनके जन्म दिवस पर श्रद्धांजलि देता है। प्रिंटमेकर एक ऐसा व्यक्ति होता है जो प्रिंट बनाता है। वह इस क्षेत्र में मूल रूप से एक शिल्पकार होता है। गूगल के अनुसार, हाशमी ने 21 साल की उम्र में विदेश सेवा के एक राजनयिक से शादी की और दुनिया की यात्रा शुरू की।

जवान में नहीं होगा किआरा आडवाणी का कोई कैमियो

मुंबई/एजेन्सी

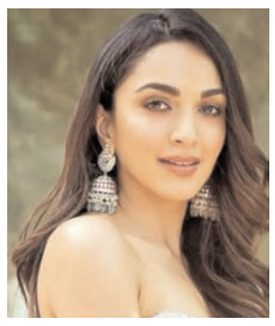

शाहरुख खान अभिनीत फिल्म जवान इस साल स्क्रीन पर हिट होने वाली सबसे बड़ी भारतीय फिल्मों में से एक है और फिल्म पूरी तरह से धूम मचा रही है। इस फिल्म के हाल ही में जारी हुए ट्रेलर प्रीव्यू ने दर्शकों के उन्माद को और बढ़ा दिया है। प्रीव्यू में दिखाए गए एक्शन दृश्यों और शाहरुख खान के लुक ने प्रशंसकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस फिल्म के बारे में कुछ दिनों पहले कहा जा रहा था कि इसमें किआरा आडवाणी का कैमियो होगा जिसमें उन पर एक गीत फिल्माया जाएगा। कई मीडिया पब्लिकेशन ने इस समाचार को प्रमुखता से छापा लेकिन अब जो समाचार आ रहे हैं उनके अनुसार जवान में किआरा का कोई किरदार नहीं है। उद्योग जगत के सूत्रों ने मीडिया को बताया है कि, ये अफवाहें बिल्कुल निराधार हैं। फिल्म में कोई गाना शूट नहीं किया गया है और न ही किआरा आडवाणी का कोई कैमियो है। जवान इतनी बड़ी फिल्म है, हर दिन कोई न कोई अफवाह सुनने को मिलती है। जवान का निर्माण शाहरुख खान के रेड चिलीज एंटरटेनमेंट द्वारा किया गया है और फिल्म में विजय सेतुपति, नयनतारा, सान्या मल्होत्रा, रिद्धि डोगरा और संजीता भट्टाचार्य भी हैं। यह फिल्म 7 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

किसी की भावना आहत नहीं होगी, मैं रामायण पर बनाऊँगा ऐसी फिल्म : नितेश तिवारी

मुंबई/एजेन्सी

दंगल और छिछोरे के बाद अपनी अगली फिल्म बवाल को लेकर सुर्खियों में चल रहे निर्देशक नितेश तिवारी हिंदू महाकाव्य रामायण पर फिल्म बनाने जा रहे हैं। फिल्म आदिपुरुष पर हुई कॉन्ट्रोवर्सी के बाद अब नितेश तिवारी ने मीडिया से बात करते हुए कहा है कि उन्हें पूरा विश्वास है कि रामायण पर बनाई उनकी फिल्म से किसी की भी धार्मिक भावनाएं आहत नहीं होंगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म के लिए उन्होंने राम-सिया के कास्ट के तौर पर रणबीर कपूर और आलिया भट्ट को लीड रोल में चुना है।

हालांकि, डायरेक्टर की तरफ से अब तक ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं किया गया है। जूम एंटरटेनमेंट से बात करते हुए डायरेक्टर ने बताया कि बीते दिनों ओम राउत की फिल्म आदिपुरुष पर हुई कॉन्ट्रोवर्सी के बाद ही उन्होंने ऐसे समय में रामायण पर फिल्म बनाने के फैसले को क्यों नहीं टाला। साथ ही डायरेक्टर ने ये फिल्म में राम-सिया ले रोल में रणबीर-आलिया को कास्ट करने को लेकर भी बात की।

जब नितेश तिवारी से ये पूछा गया कि क्या उन्होंने आदिपुरुष पर हुई कॉन्ट्रोवर्सी के बाद इस प्रोजेक्ट से पीछे हटने या कुछ दिनों के लिए इसे टाल देने के बारे में नहीं सोचा, तो उन्होंने कहा- मेरा सवाल बिल्कुल सिंपल है। जो कंटेंट में क्रिएट करता हूं, और लोगों के साथ मैं भी तो उसका कंज्यूमर हूं। इस वजह से मैं इस बात को लेकर बिल्कुल कॉंफिडेंट हूं कि मैं जो फिल्म बनाऊंगा वो किसी की भावनाओं को चोट नहीं पहुंचाएगी। मुझे पता है कि मैं कंज्यूमर के तौर पर किस तरह का कंटेंट देखना चाहता हूं। फिल्म की कास्ट पर रणबीर-आलिया का नाम फाइनल किए जाने को लेकर अब तक कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं किया गया है। नितेश तिवारी ने कहा कि वो कास्ट को लेकर जल्द ही ऑफिशियल अनाउंसमेंट कर देंगे।

डायरेक्टर ने रावण के रोल में एक्टर यश उर्फ नवीन कुमार गौड़ा को चुना था। हालांकि, यश ने नेगेटिव रोल करने से मना कर दिया। इससे पहले ऋतिक रोशन को रावण के रोल में कास्ट किए जाने की बात भी सामने आ रही थी, लेकिन प्रोजेक्ट में हो रही देरी की वजह से ऋतिक रोशन ने भी इस रोल के लिए मना कर दिया था।

'वृषभ' से डेब्यू करेंगी शनाया व जहरा

मुंबई/एजेन्सी

नई दिल्ली। एक्ट्रेस शनाया कपूर और जहरा एस. खान, दिग्गज एक्टर मोहनलाल अभिनीत फिल्म 'वृषभ' से अखिल भारतीय स्तर पर डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। एक्टर संजय कपूर की बेटी शनाया, रोशन मेका के साथ एक्टिंग करती नजर आएंगी और इस एक्शन एंटरटेनर में अतीत और वर्तमान समय के बीच के अंतर को पाटने वाली की महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

उसी के बारे में बात करते हुए, शनाया ने कहा, मैं कैमरे का सामना करने और शूटिंग शुरू करने के लिए बेहद उत्साहित हूं, इस फिल्म में सीखने और जानने के लिए बहुत कुछ होगा। कहानी दिलचस्प है, जो मेरे साथ रही है। उन्होंने कहा, इसके अलावा, फिल्म के साथ सभी बड़े नाम जुड़े हुए हैं, और इसे बड़े पैमाने पर बनाया जा रहा है, यह ऐसी भूमिका है, जिसे निभाने के लिए कोई भी युवा अभिनेता उत्साहित और प्रेरित होगा, खासकर अपने करियर की शुरुआत में। यह एक सपने जैसा है, जो सच है। मोहनलाल सर के साथ, मैं 'वृषभ' का हिस्सा बनकर सम्मानित महसूस कर रही हूं। मैं उनकी आभारी हूं।''

दूसरी ओर, भारत की पॉप डिवा जहरा, जो गुजरे जमाने की स्टार सलमा आगा की बेटी हैं, भी इस फिल्म से अखिल भारतीय स्तर पर डेब्यू कर रही हैं। फिल्म के पीरियड भाग में रोशन मेका के साथ मुख्य महिला भूमिका में जहरा एक योद्धा राजकुमारी की भूमिका निभा रही हैं और फिल्म में उनके कुछ प्रमुख एक्शन सीन हैं। जहरा ने बताया, 'वृषभ' मेरी पहली अखिल भारतीय रिलीजिंग है, यह एक सपने के सच होने जैसा है, मैं हमेशा मोहन सर जैसे उच्च स्तरीय कलाकारों के साथ एक फिल्म का हिस्सा बनना चाहती थी और उनके साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करना एक अभिनेता के रूप में मेरे लिए उपहार है। फिल्म निर्देशक नंदा किशोर ने कहा, शनाया और जहरा दोनों ही लुक और स्किल के मामले में अपने-अपने किरदारों के लिए बिल्कुल फिट हैं।

वे बहुत प्रतिभाशाली और मेहनती युवा एक्ट्रेस हैं। अभिनेता और निर्देशक के रूप में हमारा सहयोग कुछ ऐसा है, जिसे मैं अनुभव करने के लिए उत्सुक हूं। 'वृषभ' को कनेक्ट मीडिया और बालाजी टेलीफिल्म्स ने एवीएस स्टूडियोज के सहयोग से प्रस्तुत किया है। फिल्म का निर्माण अभिषेक व्यास, विशाल गुरनानी, जूही पारेख मेहता, श्याम सुंदर, एकता आर कपूर, शोभा कपूर और वरुण माथुर ने किया है।

'मैं अटल हूं' की यात्रा को हमेशा याद रखूंगा : पंकज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली,। एक्टर पंकज त्रिपाठी ने शनिवार को बहुप्रतीक्षित फिल्म 'मैं अटल हूं' के अंतिम शेड्यूल की समाप्ति की घोषणा की। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक रवि जाधव द्वारा निर्देशित, 'मैं अटल हूं' में पंकज ने भारत के तीन बार रहे प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की भूमिका निभाई है। लखनऊ शूटिंग शेड्यूल के दौरान फिल्म के निर्माताओं ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की और फिल्म पर विस्तार से चर्चा की।फिल्म ने शनिवार को मुंबई में अपना अंतिम शेड्यूल पूरा किया। फिल्म की शूटिंग 45 दिनों में मुंबई, दिल्ली, कानपुर और लखनऊ के कई स्थानों पर की गई है, जो दर्शकों को अटल बिहारी वाजपेयी के बचपन और असाधारण राजनीतिक यात्रा से रूबरू कराएगी।

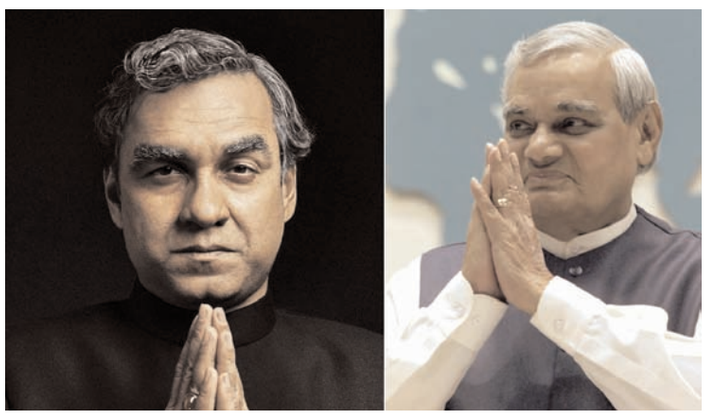

पंकज ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें फिल्म की शूटिंग से बीटीएस क्लिप और अटल बिहारी वाजपेयी के रूप में अभिनेता की एक झलक देखी जा सकती है।

उन्होंने पोस्ट को हिंदी में कैप्शन दिया: इस 'अटल' यात्रा को हमेशा याद किया जाएगा और संजोया जाएगा। मैं श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के शानदार व्यक्तित्व को बड़े पर्दे पर चित्रित करने के लिए भाग्यशाली महसूस करता हूं।

फिल्म निर्माता रवि ने पंकज की पोस्ट पर टिप्पणी की और लिखा: अद्भुत दिन। अद्भुत यादें। आपके साथ काम करना मेरे लिए हमेशा बहुत खुशी की बात रही है पंकज त्रिपाठी जी।भानुशाली स्टूडियोज लिमिटेड और लीजेंड स्टूडियोज प्रोडक्शन, 'मैं अटल हूं' का निर्माण विनोद भानुशाली, संदीप सिंह, सैम खान और कमलेश भानुशाली द्वारा किया गया है। इसे ऋषि विरमानी और रवि जाधव ने लिखा है।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

धर्म एवं संस्कृति पर प्रायः होने वाली बहस में यह भुला दिया जाता है कि भारत की पहचान सदा से धर्म एवं संस्कृति ही रही है। ये दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। जहां धर्म संस्कृति का आधार है, वहीं संस्कृति धर्म की संवाहिका है। दोनों ही अपने-अपने परिप्रेक्ष्य में राष्ट्र के निर्माण एवं राष्ट्रीयता के संरक्षण में सहायक सिद्ध होते हैं। जहां धर्म अपनी स्वाभाविकता के साथ सामाजिक परिवेश का आधार बनता है, वहीं संस्कृति सामाजिक मूल्यों का स्थायी निर्माण करती है।

धर्म और संस्कृति ने मिलकर हमारी भारतीयता को विकसित किया : देवेंद्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के सुमतिवल्लभ नॉर्थटाउन श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ में आचार्य श्री देवेंद्रसागरसूरीश्वरजी मुनि श्री महापद्मसागरजी के सान्निध्य में रविवारीय शिविर का आयोजन हुआ। आईना नहीं शक्ल बदलों विषय के ऊपर आचार्य श्री के धारा प्रवाह वक्तव्य से श्रोतागण मंत्र मुग्ध हुए। आचार्य श्री ने कहा कि धर्म एवं संस्कृति पर प्राय: होने वाली बहस में यह भुला दिया जाता है कि भारत की पहचान सदा से धर्म एवं संस्कृति ही रही है। ये दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। जहां धर्म संस्कृति का आधार है, वहीं संस्कृति धर्म की संवाहिका है। दोनों ही अपने-अपने परिप्रेक्ष्य में राष्ट्र के निर्माण एवं राष्ट्रीयता के संरक्षण में सहायक सिद्ध होते हैं। जहां धर्म अपनी स्वाभाविकता के साथ सामाजिक परिवेश का आधार बनता है, वहीं संस्कृति सामाजिक मूल्यों का स्थायी निर्माण करती है। कहना अप्रासंगिक नहीं होगा कि धर्म का सूत्र मानव के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करता है तो वहीं संस्कृति मानवीय संवेदनाओं को सामाजिक सरोकार से जोड़ती है। इस तरह धर्म कालांतर में संस्कृति का रक्षण करता है और संस्कृति धर्म के आधार का उन्नयन करती है।जहां धर्म हमारे सर्वस्व का प्रतीक रहा है तो वहीं संस्कृति हमारी स्वाभाविक जीवनशैली की वाहिका रही है। दोनों ने ही भारतीय मूल्यों को जीवंत रखा है और संसार में इसी कारण से भारत का मान-सम्मान रहा है।

प्राचीन समय में धर्म एक नागरिक के जीवन के उद्देश्यों का आधार था। धर्म मात्र प्रतीक नहीं होकर समग्र चेतना का स्तंभ था। परिणामस्वरूप भारत की सामाजिक, आर्थिक एवं नैतिक व्यवस्था मजबूत थी। इस तरह भारतीय का जीवन शांत एवं सुखी था। तब संस्कृति, भारतीयता को परिभाषित करती थी और भारत की सारी व्यवस्थाएं संस्कृति पर आधारित थीं। संस्कृति का सौरभ ही हमारे राष्ट्र का सौरभ था। इस तरह से हमारी पारिवारिक एवं सामयिक पृष्ठभूमि निरंतर विकसित होती गई।

हमारे वैचारिक दृष्टिकोण का ताना-बाना हमारी संस्कृति पर ही आधारित था और हमारा संपूर्ण जीवन उन्नति के चरम पर पहुंचता रहा।धीरे-धीरे हमारी धार्मिक मान्यताएं और स्थिर होती गईं और संस्कृति का क्रमिक विकास होता गया। कहना गलत नहीं होगा कि धर्म और संस्कृति ने मिलकर हमारी भारतीयता को विकसित किया। यह भारतीय धर्म की विशेषता रही है कि वह जटिलताओं में जकड़ा न रहा और सतत चिंतन की अवधारणा को विकसित होने में सहायक सिद्ध हुआ, जिसके कारण अनेक भारतीय धर्मों का उदय हुआ। जैन हिंदू एवं बाद में सिख धर्म ने अपनी चिंतनशैली को विकसित किया, भारत में धार्मिक स्वतंत्रता अवश्य रही, परंतु सांस्कृतिक एकता बनी रही। भारतीय संस्कृति के समग्र विकास में भारत के सभी धर्मों ने अपना-अपना योगदान दिया। इस प्रकार भारत की सामाजिक व्यवस्था धार्मिक एवं सांस्कृतिक होते हुए भी वैज्ञानिक विचारों को हमेशा आत्मसात करती रही। विकास की नई संभावनाओं को संबल प्रदान करती रही।

रविवारीय शिविर का लाभ अमृतलाल मिलापचंद मेहता परिवार ने लिया।

जहां घर में बुजुर्ग हंसते गाते हैं वहां भगवान रहते हैं : साध्वी चैतन्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पुरुषवाक्कम के एएमकेएम सेन्टर में विराजित साध्वी श्री चैतन्याश्री जी म.सा.ने अपने प्रवचन में बताया कि हर इंसान का जन्म और मृत्यु निश्चित जो भी जन्म लेता है वह एक न एक दिन मृत्यु को प्राप्त होता है प्रत्येक का जीवन श्वास से चलता है और परिवार विश्वास से चलता है कोई कुछ भी बोले पर क्षमा करो। पहली सांस परिवार में और अंतिम सांस भी परिवार के साथ ही लेना है भारतीय संस्कृति में परिवार को महत्व दिया है। बड़ों से आशीर्वाद लेने के लिए चरण स्पर्श करके जय जिनेंद्र कहिए। जीवन चलाने के लिए ऑक्सीजन पानी, मेडिसिन एवं फूड बहुत जरूरी है वैसे ही ऑक्सीजन के स्थान पर माता-पिता हैं। पानी के स्थान भाई-बहन को रखिए तथा मेडिसन के स्थान पर दोस्तों को तथा फूड के स्थान पर पत्नी व रिश्तेदार को रखिए। प्रभु प्रिय, लोकप्रिय,समाज प्रिय बाद में बनना सबसे पहले परिवार प्रिय बनना चाहिए परिवार के रीडर बनो मतलब किसी का चेहरा उतरा क्यों है किसे क्या टेंशन है किसको क्या कमी है इसका ध्यान रखो किसी के चेहरे को देखकर मन की बात समझने की कोशिश करो। उनके दुख दूर करने मे सहायक बनो वह परिवार सुखी परिवार हैं। गलती इंसान से होती हैं उन्हें माफ करना सीखो। डायरी मे कुछ गलत लिखा हो तो पूरी डायरी नहीं फेंकना चाहिए। परिवार पर रहम करना सीखो। रावण विभीषण को संभाल नहीं पाया तो विभिषन राम के पास गया पर राम ने शत्रु के भाई को भी संभाला इसलिए वह लंका पर विजय प्राप्त कर लिया और रावण को अपने अहंकार के कारण मृत्यु को प्राप्त होना पड़ा। स्वयं के भाई को तो आप भाई मानते हो लेकिन दूसरों की भी भाई को अपना दोस्त समझो तो परिवार साथ विश्वास है तो सुख-शांति बनी रहेगी। जिस घर में बड़े बुजुर्ग हंसते हैं, उनके घर में भगवान बसते हैं। पुरुषवाक्कम संघ के अध्यक्ष विनयचन्द पावेचा ने बताया कि धर्म सभा में ललैशकुमार कांकरिया, धर्मीचंद सिंघवी, महेन्द्रकुमार पुंगलिया, शांतिलाल सिंघवी, सरोज कोठारी, सविता पुंगलिया समेत अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे।

जीवन में एक सच्चा मित्र अवश्य हो जो मार्गदर्शन करे : साध्वी धर्मप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां रविवार को एसएस जैन भवन साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने प्रवचन में कहा कि जीवन में एक मित्र कृष्ण-सुदामा जैसा होना चाहिए। जो तुम्हारे लिए युद्ध न लड़े पर सच्चा मार्गदर्शन करता रहे। संसार में कृष्ण-सुदामा जैसी मित्रता हो जाए, तो दुनिया से अमीरी-गरीबी का भेद दूर हो सकता है। सच्चे मित्र की सभी को तलाश है। लेकिन आज मित्रता में स्वार्थ की भावना छुपी हुई है। आजकल सुख और सम्पति में कोई भी मित्र बनने के लिए तैयार रहता है और कई मित्र बन जाते हैं। किन्तु आपत्ति में दु:ख में मित्रता निभाने वाले मित्र बहुत कम होते हैं। सच्चा मित्र वह होता है जो दुख में काम आए। अन्यथा तो दुर्जन भी मित्र बन जाते हैं। सच्चा मित्र विपत्ति आने पर पूरा साथ देता है वही सच्चा बंधु मित्र है। मित्र एक बहुत ही पवित्र शब्द है। पर परिस्थिति में मित्रता निभाना अति कठिन है। श्री कृष्ण सुदामा की मैत्री एक ऐसी आदर्श मैत्री है। जिससे हमें प्रेरणा मिलती हैं कि मित्रता में छोटा-बड़ा, ऊंच-नीच, राजा-रंक, निर्धन-धनवान में किसी प्रकार भेद भाव नहीं होना चाहिए। मित्र-मित्र में प्रेम की निश्चल धारा बहती रहे। मित्र केवल मित्र होता है किसी प्रकार का उसमें भेद नहीं होता है।

संघ महामंत्री सज्जनराज सुराणा ने बताया कि नीतू श्रीश्रीमाल ने पंद्रह उपवास और संगीता कावड़िया ने ग्यारह उपवास के साध्वी धर्मप्रभा,साध्वी स्नेहप्रभा से उपवास प्रत्याख्यान लिए तथा प्रवचन के प्रश्चात छोटे-छोटे बच्चों के द्वारा श्रीकृष्ण सुदामा की मैत्री पर बहुत ही सुंदर और आकर्षक नाटिका का मंचन किया गया। धर्मसभा के पूर्वश्री सोजत जैन संघ तमिलनाडु चेन्नई द्वारा साहूकार पेठ मे साध्वी धर्मप्रभा के सान्निध्य में रक्तदान शिविर रखा गया। जिसमें सत्तर से अधिक लोगों ने रक्तदान किया।

कार रैली — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में रविवार को 23वीं इंडियन ऑयल डचेस ट्रेजर हंट कार रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस रैली में कुल 115 कारों ने हिस्सा लिया।

संघ द्वारा वर्षीतप आराधक का सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। श्री कोयंबटूर स्थानकवासी जैन संघ के पदाधिकारियों ने वर्षीतप आराधकों के सम्मान की अंतिम कड़ी अंतर्गत रविवार को वर्षीतप तपस्वियों का शाल, माला, चुंदड़ी, कलश सेट व अन्य सामग्री प्रदान कर श्री संघ द्वारा अभिनंदन किया। एससएस जैन संघ के अध्यक्ष राजेश बोहरा की अध्यक्षता में संघ के प्रतिनिधिमंडल ने आराधकों का सम्मान किया। संघाध्यक्ष बोहरा ने कहा कि संघ समाज मे तपस्वियों ने जो दीर्घ तपस्या कर जिनशासन की शान में अभिवृद्धि की है वह स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा। दीर्घ तपस्या हंसी खेल का कार्य नही अपितु वीरों का गहना है जिसे हर कोई नही पहन सकता है। प्रतिनिधिमंडल में संघ के सचिव सुनील हिंगड़,सह सचिव अजय टाटिया कोषाध्यक्ष धनराज चौरडिया व कार्यकारिणी सदस्य राजेश कुमार गादिया आदि शामिल थे।

स्वामी शरणम्.. — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

केरल की सबरी माला में भगवान अय्यप्पा स्वामी के दर्शनार्थ गई कोयम्बटूर की विधायक वनाती श्रीनिवासन ने इरुमुदी पूजा में हिस्सा लिया।

माता-पिता की भगवान के रूप में पूजा करनी चाहिए : मनिषप्रभसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां खरतरगच्छ के गच्छाधिपति आचार्यश्री जिनमणिप्रभ सूरीश्वरजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती मुनिश्री मुक्तिप्रभसागरजी, गणिवर्य मुनिश्री मनीषप्रभसागरजी, मुनिश्री मतिषप्रभ सागरजी म. सा. कोयम्बटूर जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ के आराधना भवन में चातुर्मासार्थ विराजित हैं। प्रवचन में श्री मनिषप्रभ सागरजी म. सा. ने कहा कि धर्म और पुण्य कमाने के लिए सबसे पहले मायित यानी मां और बाप की सेवा करने वाला बनें। जिने अपने वृद्ध मां-बाप से रिश्ते गहरे होते हैं उनके कल और आज दोनों अच्छे होते हैं। माता-पिता हमारे रक्षक हैं, माता-पिता ही हमारे भगवान हैं। उनके बिना जीवन संभव नहीं। यह हमारा सबसे बड़ा सम्मान है। आज हम जिस सुगंध के साथ हम घूम रहे है वह वास्तव में हमारे पिता के पसीने की सुगंध है। उस मां के साथ अकड़ के मत चलना जिसने तुम्हें हाथ पकड़ कर चलना सिखाया। मुनि मुक्तिप्रभ सागरजी म. सा. ने किहा कि माता पिता में सम्पूर्ण देवताओं का स्वरूप है। इसलिए सभी प्रकार से यत्नपूर्वक माता-पिता का पूजन करना चाहिए। जो माता-पिता की प्रदक्षिणा करता है उसके द्वारा सातों द्वीपों से युक्त पृथ्वी की परिक्रम हो जाती है। दोपहर में एकासना तप, बच्चों के लिए शिविर और बड़ों के लिए अलग शिविर का आयोजन हुआ। सभी का स्वागत संघ के अध्यक्ष सुरेन्द्र गोलेछा ने किया। संचालन सचिव श्याम सुन्दर लुनिया ने किया। प्रदेश युवक परिषद अध्यक्ष दीपक नहाटा ने आने वाले धार्मिक अनुष्ठान के बारे में जानकारी दी।

'व्यक्ति अपने स्वभाव के अनुसार सुख दुख भोगता है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

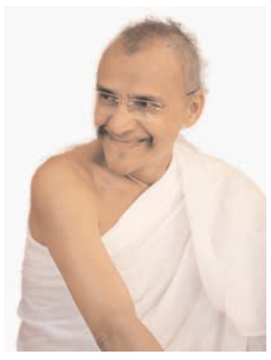

चेन्नई। किलपॉक श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित गच्छाधिपति आचार्यश्री उदयप्रभ सूरीश्वरजी ने प्रवचन में बताया कि सारा जगत सुख की खोज में दौड़ लगाए जा रहा है। सब सुखी बनना चाहते हैं। सबके मन का अभिप्राय एक ही है। दुख किसी को पसंद नहीं है। जिसका जो स्वभाव होता है, उसके द्वारा ही सुख-दुख की प्राप्ति होती है। सिद्ध परमात्मा ने जो अनंत सुख पाया है, उसका प्रयास सब कर रहे हैं। लेकिन इस संसार में चाहना कुछ और है और करना कुछ और। आचार्यश्री ने कहा हिंदू धर्म में व्यक्ति की चार अवस्थाएं बताई गई है ब्रह्मचर्याश्रम, गृहस्थाश्रम, संन्यासाश्रम और वानप्रस्थाश्रम। जैन धर्म में व्यक्ति के जीवन की अवस्थाओं को इस प्रकार बताया गया है मांडानुसारि, सम्यक्त्व, देशविरति और सर्वविरति। जिनशासन आयु के अनुसार नहीं जाता, योग्यता के अनुसार जाता है। जब तक दुराचार मन से नहीं निकलते, मांडानुसारि में प्रवेश नहीं कर सकते। जैन शासन में 8 से 80 वर्ष की आयु के लोग दीक्षा ले सकते हैं।

आचार्यश्री ने कहा परिवार की व्यवस्था केवल मानवलोक में ही है, देवलोक में भी नहीं। वह भी आर्यभूमि में मिलती है, अनार्य भूमि में नहीं। नरक में नपुंसक का अवतार ही मिलता है। तीर्यंच में जन्म देने तक की व्यवस्था है, सदाचार की नहीं। उन्होंने कहा जैन धर्म में त्यौहार नहीं, पर्व होते हैं। जिन धर्मों में सद्गुरु का नियंत्रण छूट गया, उनके पर्व त्यौहार बन गए। गुरुतत्व निकल जाने से वे चीजें विकृत हो जाती है। जैन धर्म में अभी तक विकृति ने स्थान नहीं लिया, क्योंकि गुरु का सानिध्य अभी तक मिला हुआ है।

रजत ने 33 लाख की छात्रवृत्ति वितरण की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राजस्थानी एसोसिएशन तमिलनाडु और राजस्थानी एजुकेशनल ट्रस्ट तमिलनाडु द्वारा छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम रविवार को सुबह राजा अन्नामलै मंडरम, ब्राडवे में सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि करुर वैश्य बैंक के आडिट कमेटी के चेयरमैन डॉ. चिन्नास्वामी गणेशन व अन्य पदाधिकारियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस मौके पर पताजंलि योगपीठ के स्वामी रीटदेव विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

अध्यक्ष मोहनलाल बजाज ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। महासचिव देवराज आच्छा ने रजत की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। छात्रवृत्ति चेयरमैन नरेंद्र श्रीश्रीमाल ने स्कालरशीप योजना के बारे मे बताया कि करीब 600 जरुरतमंद विद्यार्थियों को 33लाख रुपयो की राशि वितरित की गई। मुख्य अतिथि का परिचय मनीष मरडिया ने दिया। मुख्य अतिथि चिन्नास्वामी गणेशन जी का सम्मान चयनित अध्यक्ष प्रवीण टाटिया व एजुकेशन ट्रस्ट के चेयरमैन सुभाषचन्द रांका ने माला व शाल से किया। मुख्य अतिथि ने रजत के कार्यों की सराहना की और बताया कि राजस्थानी समाज सेवा और मानव सेवा में हमेशा आगे रहते हैं। तत्पश्चात मुख्य अतिथि के हाथों से छात्रों को चेक प्रदान किया गया। छात्रवृत्ति सह चेयरमैन शांतिलाल जैन ने विशिष्ट अतिथि स्वामी रीटदेवजी का सम्मान किया। सह सचिव अजय नाहर ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर मुख्य सहयोगी मंगलचंद तातेड, पुर्वाध्यक्ष शिवकुमार गोयनका, एमजी बोहरा, अशोक मेहता, विनोद सरावगी, गणगौर चेयरपर्सन कांता बीसानी उपस्थित रहे। मैनेजिंग ट्रस्टी प्रवीण टाटिया ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। आयोजन को सफल बनाने में कोषाध्यक्ष गौतमचंद डागा, ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष ललेश कुमार कांकरिया, सह सचिव ज्ञानचंद कोठारी, संतोष लाट, शांतिलाल कांकरिया, महेन्द्र कुकंलोल एवं अन्य पदाधिकारियों व सदस्यों का सहयोग रहा।।

तीर्थों की भाव यात्रा — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई। यहां साहुकारपेट के राजेन्द्र भवन में मुनिश्री वैभवरत्नविजयजी म. सा. द्वारा प्रवचन में बताया कि तीर्थां की रक्षा कई सदियों ने कैसे संभाला। उन धर्म प्रेमियों की गाथा भाव यात्रा द्वारा उन्होंने समझाया। उन्होंने कहा कि कभी भी तीर्थों पर अन्या होता देखें तो सभी धर्म प्रेमी अपनी जान की परवाह किए बिना तीर्थों की रक्षा करनी चाहिए। इसके उन्होंने उदाहरण देकर समझाया। पुराने तीर्थों की धरोहर को कैसे बसाया गया पूरी जानकारी भाव यात्रा में संगीत के साथ हार्दिक व विराज भाई ने समझायी। उन्होंने कहा कि यदि हमारे धर्म की संस्कृति का नाश होने लगा तो समझना राष्ट्र का नाश निश्चित है।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.